■ कार्तिक कृष्ण - 11 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 106 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 09-11-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अमित शाह ने लॉंच किया भारत आर्गेनिक ब्रांड

6 मध्य प्रदेश का चुनाव तय करेगा सिंधिया राजघराने का भविष्य

7 आधी अधूरी बनी 'द लेडी किलर' के प्रदर्शन पर बोले निर्देशक अजय बहल

विधानमंडल के अंदर और बाहर

नीतीश ने महिलाओं पर अपनी विवादित टिप्पणी के लिए माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/नई दिल्ली/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक दिन पहले जनसंख्या को नियंत्रित करने में महिला शिक्षा के महत्व से जुड़ी अपनी टिप्पणी के लिए बुधवार को विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ-साथ इसके बाहर भी माफी मांगी। विधानसभा परिसर में नीतीश के पहुंचने पर भाजपा विधायक ने हाथों में तख्तियां लेकर उनके बयानों की निंदा की और उनके इस्तीफे की भी मांग की।

राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहने वाले नीतीश कुछ कुछ मिनटों के लिए प्रवेश द्वार पर खड़े रहे, फिर पास में बने एक अस्थायी मंच की ओर बढ़ गए जहां सदन के सत्र के दौरान नेता पत्रकारों को संबोधित करते हैं।

पत्रकारों से बातचीत में नीतीश ने कहा, ''मुझे आज पता चला है कि मैंने कल जो कुछ कहा था वह कई लोगों को पसंद नहीं आया। मेरा इरादा महिला सशक्तीकरण पर मेरी सरकार के जोर और जनसंख्या नियंत्रण में महिलाओं के बीच साक्षरता में सुधार की भूमिका को उजागर करना था। हालांकि, अगर किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं माफी मांगता हूं और अपने शब्द वापस लेता हूं।'' सुबह 11 बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने पर नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में भाजपा सदस्य अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए आसन के सामने पहुंच गये, उनमें से कुछ ने पत्रकारों के लिए रखी गई कुर्सियां भी उठा लीं। विपक्षी सदस्य यह आरोप लगाते हुए नारे लगा रहे थे कि मुख्यमंत्री 'मानसिक रोगी' हो गए हैं, इसलिए वह बिहार पर शासन करने के लिए अयोग्य हैं।

सदन में मौजूद नीतीश अपनी सीट पर खड़े हुए और कहा, ''मैंने बाहर पत्रकारों से कहा कि अगर मेरे शब्द आपत्तिजनक लगे तो मैं माफी मांगने के लिए तैयार हूं। अगर मेरी किसी बात को लेकर तकलीफ हुई है तो मैं अपनी बात को वापस लेता हूं। भले ही मेरा आशय कोई अपराध करना नहीं था, लेकिन मैं खुद अपनी निंदा करता हूं ... आपने (विपक्षी सदस्यों) कहा कि मुख्यमंत्री शर्म करें, मैं ना सिर्फ शर्म कर रहा हूं, मैं इसके लिए दुख प्रकट कर रहा हूं।

मेरे लिए देश में गरीब ही सबसे बड़ी जाति : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरैना/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केंद्र की पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस का विचार देश के साधन-संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों को देने का था, लेकिन भारतीय जनता पार्टी सरकार के लिए इन पर पहला हक वंचितों का है और मोदी के लिए देश में गरीब ही सबसे बड़ी जाति है।

मोदी मध्यप्रदेश के चंबल अंचल के मुरैना में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि देश के साधन-संसाधन पर पहला अधिकार मुसलमानों का है, जबकि हमारे लिए इन पर पहला हक गरीबों और वंचितों का है। मोदी के लिए देश में गरीब ही सबसे बड़ी जाति है।

सेना के जवानों की बहुलता वाले इस क्षेत्र में सभा में मौजूद हजारों लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा ने वन रैंक वन पेंशन की गारंटी दी थी। कांग्रेस ने चार दशक तक सैनिकों की इस बात को नहीं सुना। कांग्रेस को भी पता था कि मात्र 500 करोड़ रुपए में ये संभव नहीं हो पाएगा। इसके बाद मौजूदा सरकार ने देश के हर सैनिक को ये लागू करने की गारंटी दी और इसे लागू किया।

'वोकल फॉर लोकल' होने की मोदी की जनता से अपील

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनता से डिजिटल मीडिया का इस्तेमाल कर स्थानीय प्रतिभाओं का उत्साह बढ़ाने तथा भारत की उद्यमशीलता और रचनात्मक शक्ति का उल्लास मनाने का अनुरोध किया है। मोदी ने बुधवार को सोसल मीडिया नेवर्क 'एक्स' पर एक लिंक भी साझा किया। उन्होंने कहा है कि जिसके जरिये लोग 'नमो' ऐप पर स्थानीय उत्पाद या उसके निर्माता के साथ सेल्फी पोस्ट कर सकते हैं। मोदी ने एक्स पर लिखा, आइये इस दिवाली पर हम नमो ऐप पर 'वोकल फॉर लोकल' थ्रेड के साथ भारत की उद्यमशीलता और रचनात्मक भावना का समारोह मनायें। प्रधानमंत्री ने इसी पोस्ट में लिखा, आइये हम ऐसे उत्पाद खरीदें जिन्हें स्थानीय स्तर पर बनाये गये हों और उसके बाद उस उत्पाद या उसके निर्माता के साथ नमो ऐप पर एक सेल्फी पोस्ट करें। अपने मित्रों और परिवार को अपने थ्रेड में शामिल होने तथा सकारात्मकता की भावना का प्रसार करने के लिए आमंत्रित करें।

सूर्यास्त 08-11-2023 5:40 बजे	सूर्योदय 09-11-2023 6:05 बजे
BSE 64,975.61 (+33.21)	NSE 19,443.50 (+36.80)
सोना 6,353 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 78,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सब होपचोप

बेरोजगार बढ़ रहे आज,
धंधे होने लग गए लोप।
सेंसेक्स चले घुटनों के बल,
मंहगाई दिखला रही कोप।
हो रहे तमंचे बिगगन भी,
जिनको कहते थे कभी तोप।
बेगाने से बाज़ार हुए,
जनता भी दिखती होपचोप।।

महादेव सट्टेबाजी ऐप

15,000 करोड़ की 'धोखाधड़ी' के लिए 32 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने कथित तौर पर करीब 15,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में 'महादेव' सट्टेबाजी ऐप के 'प्रवर्तक' समेत 32 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। माटुंगा पुलिस के अधिकारी के अनुसार, 2019 से अब तक धोखाधड़ी करने के लिए 'ऐप प्रवर्तक सौरभ चंद्राकर', एवं मुख्य आरोपी रवि उप्पल और शुभम सोनी तथा अन्य के खिलाफ मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी। अधिकारी ने बताया कि 30वीं कुर्ला अदालत के निर्देश पर भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 120-बी (साजिश), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (साइबर आतंकवाद के लिए) और जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया ।

आतंकी संगठन आईएसआईएस का सदस्य दुर्ग से गिरफ्तार

दुर्ग/भाषा। छत्तीसगढ़ पुलिस और उत्तर प्रदेश के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) के संयुक्त दल ने बुधवार को दुर्ग जिले में आतंकी संगठन आईएसआईएस के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के सुपेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्मृति नगर से पुलिस ने वजीहउद्दीन को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि वजीहउद्दीन एसएएमयू (स्टूडेंट ऑफ अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी) नामक संगठन से जुड़ा है। इसके साथ ही वह इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) की विचाराधारा का समर्थक और प्रचारक है।

G20 भारत 2023 INDIA

करदाता कृपया ध्यान दें

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अपनी बकाया कर माँगों के समाधान के लिए सिर्फ एक कॉल करें

बकाया कर की माँगो के सुविधाजनक समाधान के लिए आयकर विभाग ने डिमाण्ड फैसिलिटेशन सैन्टर (डी.एफ.सी.) की शुरूआत की हैं।

डिमाण्ड फैसिलिटेशन सैन्टर कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, गोवा, चण्डीगढ़, पुदुचेरी, लद्दाख, जम्मू कश्मीर, दिल्ली और मुम्बई में लाईव हैं।

प्रक्रिया

1. करदाता बकाया कर मांग के समाधान के लिए (डी.एफ.सी.) से [(+91) 8216671200] कॉल प्राप्त करेगा।
2. करदाता अपनी पंजीकृत ई-मेल आई.डी. पर taxdemand@cpc.incometax.gov.in के माध्यम से ई-मेल प्राप्त करेगा।
3. करदाता टोल फ्री नम्बर 1800 309 0130 का उपयोग करके डी.एफ.सी. के साथ जुड़ सकता है।

सुरक्षा उपाय

- अपना ई-फाईलिंग यूज़र आई.डी./पासवर्ड, वित्तीय विवरण जैसे - बैंक खाता संख्या, क्रेडिट/डेबिट कार्ड संख्या, सी.वी.वी., ओ.टी.पी. आदि कभी साझा न करें।
- डी.एफ.सी. की ई-मेल आई.डी. के अतिरिक्त अन्य किसी ई-मेल आई.डी. से अनुलग्कों को कभी भी डाउनलोड न करें।
- स्पैम ई-मेल/इन साइड लिंक पर क्लिक न करें।

cbc 15401/13/0015/2324

ई-ब्रोशर के लिए, क्यू आर कोड स्कैन करें

आयकर विभाग
आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndia.Offcial @IncomeTaxIndiaOffcial @Income Tax India @ Income Tax India Offcial

दीपोत्सव के सुअवसर पर आपके लिए
दक्षिण भारत का हिंदी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
की ओर से
पूजा का 'लक्ष्मी पाना'

अपने अखबार वितरक (हॉकर) से रविवार 12 नवम्बर, 2023 के अंक के साथ लेना न भूलें। अपने मित्रों-परिचितों के लिए भी यदि आपको लक्ष्मी पाना चाहिए हो तो हमारे कार्यालय में अपने आदमी को भेजकर मंगवा सकते हैं ×

अपनी प्रति सुरक्षित करें
दक्षिण भारत का हिंदी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
चेन्नई कार्यालय पता Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai - 03.

धरना

तिरुवनंतपुरम में उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू द्वारा सरकारी खजाने से चश्मे की खरीद के लिए आवंटित राशि और केएसयू कार्यकर्ताओं पर पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में महिला कांग्रेस की सदस्य बुधवार को तिरुवनंतपुरम में राज्य सचिवालय के सामने धरना देती हुईं।

96 साल के हुए आडवाणी; मोदी, शाह व अन्य भाजपा नेताओं ने दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। पूर्व उपप्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी बुधवार को 96 साल के हो गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई वरिष्ठ नेताओं ने आडवाणी को बधाई देते हुए कहा कि वह ईमानदारी और प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं तथा उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने राष्ट्रीय प्रगति और एकता में अहम योगदान दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की बधाई। वह ईमानदारी और प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं जिन्होंने महान योगदान दिया जिससे हमारे देश को मजबूती मिली। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने राष्ट्रीय प्रगति और एकता को आगे बढ़ाया है। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं।' मोदी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में उनके प्रयास 140 करोड़ भारतीयों को प्रेरित करते रहेंगे।

गृह मंत्री अमित शाह ने उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा, आडवाणी जी ने अपने अथक परिश्रम और संगठन कौशल से पार्टी को सींचा और कार्यकर्ताओं को गढ़ा । भाजपा की स्थापना से लेकर सत्ता तक आने में उनका अतुलनीय योगदान हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा का अक्षुण्ण स्रोत है। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन

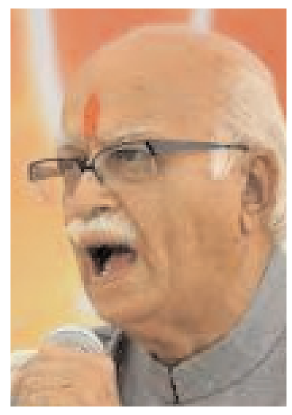

की बधाई दी। केंद्रीय मंत्री और पूर्व भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी ने भी आडवाणी को उनके जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, हमारे प्रेरणास्रोत श्रद्धेय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं । आप स्वस्थ और दीर्घायु रहें, ईश्वर से यही कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं हम सबके प्रेरणास्रोत, श्री लालकृष्ण आडवाणीजी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। भारतीय राजनीति के वे एक प्रमुख स्तंभ रहे हैं और भाजपा संगठन को भी उन्होंने बहुत मज़बूती प्रदान की है। उन्होंने कहा, सार्वजनिक जीवन में लंबे समय तक सक्रिय रहे आडवाणीजी का योगदान अप्रतिम है। मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घजीवी होने की कामना करता हूं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने आडवाणी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्र और संगठन के प्रति उनका समर्पण सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा है। केंद्रीय मंत्रियों एस जयशंकर, निर्मला सीतारमण और भूपेन्द्र यादव तथा अन्य भाजपा नेताओं ने भी आडवाणी को जन्मदिन की बधाई दी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता प्रफुल्ल पटेल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रख्यात राजनेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण और सेवा को गहराई से स्वीकार किया जाता है और सराहना की जाती है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने आडवाणी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि भाजपा के विकास में उनकी भूमिका और राष्ट्र के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा अद्वितीय है।

पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील उत्तराखंड में आर्थिक विकास चुनौती और अवसर दोनों : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि पर्यावरण की दृष्टि से अति संवेदनशील उत्तराखंड में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन एक चुनौती भी है और एक अवसर भी।

पौड़ी के श्रीनगर में स्थित हेमवती नंदन बहुगणा विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तराखंड पर्यावरण की दृष्टि से अति संवेदनशील राज्य है और यहां मैदानी और तटीय इलाकों की तरह बड़े उद्यम स्थापित करने की अपनी सीमा है। उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए संसाधनों के उचित उपयोग के लिए नई पहलों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कैसे आर्थिक विकास किया जाए और रोजगार के अवसर पैदा किए जाएं, यह आपके सामने चुनौती भी है और अवसर भी।'' उत्तराखंड को सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व का स्थान बताते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जीवनदायिनी गंगा और यमुना का

उदगम स्थल होने के अलावा यहां बदरीनाथ, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब जैसे तीर्थस्थल हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की गुफाओं और कंदराओं में भारत के ऋषि-मुनियों के तप का बल है और क्षेत्र के जलस्रोत मैदानी क्षेत्रों में वनस्पतियों और मानव को जीवन प्रदान करते हैं।

हालांकि, राष्ट्रपति ने कहा कि पहाड़ों पर जीवन संघर्षपूर्ण है। इस संबंध में उन्होंने हाल में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में पलायन और यहां के संघर्षपूर्ण जीवन को दर्शाने वाली सृष्टि लखेड़ा द्वारा निर्देशित फिल्म 'एक था गांव' को सर्वश्रेष्ठ गैर फीचर फिल्म का पुरस्कार मिलने का जिक्र किया। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें इस बात का संतोष है कि केंद्र और राज्य की सरकारें संतुलित विकास और स्थानीय रोजगार सृजन पर ध्यान दे रही हैं। उन्होंने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 44 विद्यार्थियों में से 30 लड़कियों के होने पर भी खुशी जाहिर की। राष्ट्रपति मुर्मू ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को बधाई देते हुए उन्हें आगामी जीवन के लिए तीन महत्वपूर्ण सलाहें भी दीं। उन्होंने कहा कि पहली बात यह कि अपनी जड़ों का न भूलें, दूसरा-अपने नैतिक मूल्यों जैसे सच्चाई, ईमानदारी और निष्पक्षता से कभी समझौता न करें और तीसरा- आपके शिक्षा प्राप्त करने में समाज के योगदान को देखते हुए उसमें पीछे छूट गए लोगों की भरसक मदद करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने खरगे का अपमान किया: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश की एक चुनावी सभा में यह कहकर उसके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का अपमान किया है कि 'कांग्रेस अध्यक्ष को रिमोट से नियंत्रित किया जा रहा है।' प्रधानमंत्री मोदी ने एक चुनावी सभा में कहा कि कांग्रेस रिमोट का उपयोग करने की अपनी आदत से छुटकारा पाने में असमर्थ है और पहले 'प्रधानमंत्री रिमोट से नियंत्रित होते थे, इन दिनों कांग्रेस अध्यक्ष रिमोट से नियंत्रित किया जा रहा है।' कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री मोदी ने धरती पुत्र, हमारी पार्टी के नेता मल्लिकार्जुन खरगे जी का अपमान किया है। यह कोई मामूली राजनीतिक बयान नहीं है, यह उन सभी लोगों पर एक बड़ा हमला है जो शोषित-वंचित पृष्ठभूमि से आते हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में सफल होने का लक्ष्य रखते हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''हकीकत में प्रधानमंत्री मोदी यह पचा नहीं पा रहे हैं कि उनकी पार्टी के सामाजिक न्याय के फर्जी दावों के विपरीत यह केवल कांग्रेस ही है जो लोकतांत्रिक तरीके से ऐसे कद्दावर नेताओं को आगे बढ़ाने में सक्षम है।'' वेणुगोपाल ने कहा, ''खरगे जी की छह दशकों की राजनीतिक यात्रा भारतीय इतिहास में अभूतपूर्व है और लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का काम करती है।''

रंगोली

सूरत में बुधवार को दीपावली उत्सव के अवसर पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र।

डिग्री

तेलंगाना की राज्यपाल तमिलैसाई सौंदर्यराजन बुधवार को नलगोंडा में महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह के अवसर पर छात्रों को डिग्री प्रदान करती हुईं।

प्रदूषण के लिये 'आप' सरकार ने हरियाणा सरकार को जिम्मेदार ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के एक दिन बाद आम आदमी पार्टी ने बुधवार को हरियाणा सरकार पर दिल्ली में प्रदूषण के लिये सबसे बड़ा दोषी होने का आरोप लगाया । शीर्ष अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा था कि इस मुद्दे पर हर सयम राजनीतिक लड़ाई नहीं हो सकती।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी के बीच, शीर्ष अदालत ने मंगलवार को कहा था कि प्रदूषण के कारण वह लोगों को मरने नहीं दे सकती है और पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान की सरकारों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि खेतों में फसल अवशेष जलाना ''तत्काल'' रोका जाए । आम आदमी पार्टी के आरोपों पर भाजपा या हरियाणा सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे पहले दिन में, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि प्रदूषित हवा सीमाओं तक सीमित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा और दिल्ली के लोग पंजाब में फसल-अवशेषों को खेतों में जलाये जाने के कारण प्रदूषण की समस्या से पीड़ित हैं। हालांकि, खट्टर ने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और पर्यावरण को स्वच्छ रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में हवा की गुणवत्ता बुधवार सुबह खराब हो गयी, पड़ोसी राज्यों में कटाई के बाद धान की पराली जलाने से निकलने वाला धुआं राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण का एक तिहाई हिस्सा है। राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 421 दर्ज किया गया जो मंगलवार शाम चार बजे 395 था ।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ऐसे समय में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं जब दिल्ली को प्रदूषण संकट का सामना करना पड़ रहा है । उन्होंने कहा, ''उन्होंने जनता को उनके हाल पर छोड़ दिया है। हम उच्चतम न्यायालय के फैसले के लिए उनके आभारी हैं। इसमें पांच राज्य शामिल हैं - दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान - लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे समय में जब शीर्ष अदालत इतने गंभीर मामले पर चर्चा कर रही है, केवल दिल्ली और पंजाब ने हलफनामा दाखिल किया, लेकिन किसी अन्य राज्य ने हलफनामा दाखिल नहीं किया।'' पाठक ने आरोप लगाया, ''भाजपा प्रदूषण की समस्या के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब को जिम्मेदार ठहराती है। ऐसा लगता है कि केजरीवाल को बदनाम करने के लिए एक एजेंडा चलाया जा रहा है।'' दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता में है । पाठक ने दावा किया कि यह बात सामने आई है कि हरियाणा का कैथल सबसे प्रदूषित जिला है लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा, ''प्रदूषण की समस्या में दिल्ली की कोई भूमिका नहीं है। सच तो यह है कि दिल्ली के प्रदूषण का सबसे बड़ा दोषी हरियाणा है। वे कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं । वे किसानों से न तो कोई चर्चा कर रहे हैं और न ही कोई योजना बना रहे हैं। पराली जलाने के समय वे आम आदमी पार्टी को दोषी मानते हैं। लोगों को इसकी वजह से परेशानी हो रही है ।''

प्रियंका का आरोप

भाजपा की नीति सरकारी कंपनियों का नियंत्रण उद्योगपतियों को सौंपना है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर । कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल की नीति सरकारी कंपनियों का नियंत्रण उद्योगपतियों को सौंपने की है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे संस्थानों की स्थापना के पीछे देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का विचार देश को आगे ले जाना था।

चुनावी राज्य मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के सांवेर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''कांग्रेस एम्स जैसे बड़े अस्पताल और आईआईएम लेकर आई और इसके पीछे जवाहरलाल नेहरू की सोच ऐसे संस्थान स्थापित करने की थी जो देश को आगे ले जाएं।'' उन्होंने आरोप लगाया, 'लेकिन सरकार द्वारा संचालित कंपनियों को उद्योगपतियों को सौंपना और लोगों की जेब से पैसा निकालना भाजपा की नीति बन गई है।'

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) की स्थिति को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र पर निशाना साधते हुए गांधी ने दावा किया कि सरकार द्वारा संचालित कंपनियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्योगपति मित्रों को दे दी गई हैं। उन्होंने कहा कि नौकरियों का निजीकरण हो रहा है, सरकारी कर्मचारियों की पेंशन बंद कर दी गई है और कर्मचारियों को डर है कि उनके पैसे का क्या होगा। उन्होंने कहा, ''मोदी कहते हैं कि पिछले 70 साल (कांग्रेस शासन) में कुछ नहीं हुआ... जिस स्कूल में मोदी जी पढ़ते थे, वह कांग्रेस ने बनवाया था... मुझे नहीं पता कि मोदी जी कॉलेज गए थे या नहीं, लेकिन कम से कम उनकी डिग्री का प्रमाणपत्र (संपूर्ण राजनीति विज्ञान में) कांग्रेस द्वारा दिए गए कंप्यूटर से मुद्रित किया गया होगा।'' कांग्रेस महासचिव ने कहा कि उस समय उनके पिता राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे और वह देश में कंप्यूटर लाना चाहते थे, लेकिन 'ऐसे लोगों ने इसका विरोध किया' था।

प्रदूषित हवा सीमाओं से बंधी नहीं हैं, पर्यावरण को स्वच्छ रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : खट्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बुधवार को कहा कि प्रदूषित हवा सीमाओं तक सीमित नहीं है और दावा किया कि दिल्ली के साथ साथ उनके राज्य में भी लोग पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं से पीड़ित हैं, जहां पराली जलाने के कई मामले रिपोर्ट किए गए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और पर्यावरण को स्वच्छ रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में हवा की गुणवत्ता बुधवार सुबह खराब रही। पड़ोसी राज्यों में धान की कटाई के बाद पराली जलाने से निकलने वाले धुएं का राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले वायु प्रदूषण में एक तिहाई योगदान है।

मंगलवार को उच्चतम न्यायालय की पीठ की टिप्पणी के बारे में पिंजौर में पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। दुर्भाग्य से कुछ लोग इस पर राजनीति कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई लाभ नहीं मिल रहा है...।'' उच्चतम न्यायालय ने अपनी टिप्पणी में राज्यों द्वारा

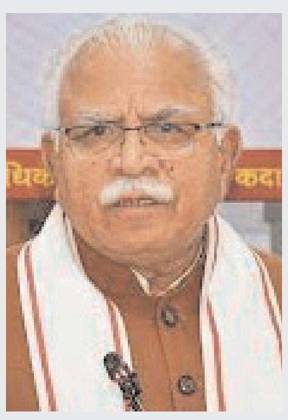

एक-दूसरे पर दोष मढ़ने की कोशिश पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी और कहा था कि हर समय इस पर ''राजनीतिक लड़ाई'' नहीं हो सकती।

खट्टर ने कहा, ''जैसा कि आप कह रहे हैं कि हमने हरियाणा में स्थिति को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया है और जो भी बाकी हैं (पराली जलाने के मामले सामने आ रहे हैं) हम उन पर भी नियंत्रण कर लेंगे।'' उन्होंने कहा कि पंजाब में पराली जलाने के कई मामले सामने आ रहे हैं, जिससे हरियाणा और दिल्ली के लोगों को भी परेशानी हो रही है और उन्होंने कहा कि ''प्रदूषित हवा सीमाओं तक सीमित नहीं है''।

पिंजौर में 'हॉट एयर बैलून नेचर सफारी' का उद्घाटन करने के बाद खट्टर ने कहा, ''जब पंजाब में पराली जलाने के मामले होते हैं, तो इसका असर हरियाणा और दिल्ली के लोगों पर भी पड़ता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं सभी से अपील करता हूं, चाहे वह अरविंद केजरीवाल (दिल्ली के मुख्यमंत्री) हों या भगवंत मान (पंजाब के मुख्यमंत्री), अगर किसी भी सहायता की जरूरत है तो हम मदद करने के लिए तैयार हैं। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। हमें अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना होगा जो सभी के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है...।'' दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार है। मंगलवार शाम चार बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 395 से बढ़कर 421 पर पहुंच गया। गंगा के मैदानी इलाकों के कई शहरों में हवा की गुणवत्ता खतरनाक बताई गई है। पड़ोसी गाजियाबाद (382), नोएडा (348), उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा (474) और हरियाणा के गुरुग्राम (370) और फरीदाबाद (396) में भी वायु गुणवत्ता खतरनाक श्रेणी में दर्ज की गई।

दिल्ली में पार्टिकुलेट मैटर प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करने में सक्षम एक संख्यात्मक मॉडल-आधारित ढांचा 'डिसीजन सपोर्ट सिस्टम' के आंकड़े के अनुसार पड़ोसी राज्यों विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने से मंगलवार को दिल्ली में वायु प्रदूषण का योगदान 37 प्रतिशत रहा। बुधवार को इसके 33 फीसदी होने की संभावना है।

बातचीत

नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बुधवार को नई दिल्ली के शास्त्री भवन में बालवाटिका के उद्घाटन के अवसर पर बच्चों से बातचीत करते हुए।

'सूक्ष्म वित्त संस्थानों को आंकड़ों, साइबर सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत'

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक आलोक कुमार चौधरी ने बुधवार को कहा कि छोटी राशि के कर्ज देने वाले सूक्ष्म वित्त संस्थानों (एमएफआई) को आंकड़ों की सुरक्षा तथा साइबर सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए। इसका कारण उनके पास बड़ी संख्या में ग्राहकों के आंकड़े होते हैं।

चौधरी ने सा-धन के एक सम्मेलन में कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिये एमएफआई को क्षमता निर्माण पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''दूसरी बात जो बहुत महत्वपूर्ण है वह है उभरते विनियमन के साथ एकीकरण। खासकर जब आपके पास आंकड़ों की गोपनीयता का कानून है। सभी सूक्ष्म वित्त संस्थानों के पास कई ग्राहकों के आंकड़े हैं। ऐसे में आंकड़ों की सुरक्षा पर ध्यान देना और इस दिशा में काम करने की जरूरत है।''एसबीआई के प्रबंध निदेशक ने कहा, ''पिरामिड के निचले स्तर के ग्राहकों के लिये हमें यह समझने की जरूरत है कि वे क्या चाहते हैं। इससे आसानी से उनकी इच्छा पूरी की जा सकती है।'' एसबीआई के पास एमएफआई के साथ-साथ एनबीएफसी के लिये एक महत्वपूर्ण कर्ज सुविधा है जो वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं। सरकार के वित्तीय समावेश अभियान में एसबीआई की भागीदारी के बारे में चौधरी ने कहा, अकेले बैंक ने पीएम जन धन योजना के तहत खोले गये कुल खातों में से 36 प्रतिशत खाते खोले हैं।

जयंती

चेन्नई में बुधवार को इतालवी थमिझारिग्नार वीरमामुनिवर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए मंत्री एवं अन्य गणमान्यजन।

कोयम्बटूर में नीतीश कुमार का विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा में बोलते हुए जनसंख्या नियंत्रण की बात कही तो उन्होंने कहा है कि वह अपना भाषण वापस ले लेंगे. हालांकि, जैसे–जैसे उनके भाषण की निंदा तेज हो रही है, बीजेपी समेत विभिन्न पार्टियां विभिन्न राज्यों में विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। इस मामले में कोयंबटूर जिला आयुक्त कार्यालय के सामने बीजेपी महिला टीम की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। बीजेपी की राष्ट्रीय महिलाअध्यक्ष एवं विधायक वनथी श्रीनिवासन के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में नीतीश कुमार और उनके भाषण की निंदा करते हुए नारे लगाए गए।

इस प्रदर्शन में 50 से ज्यादा लोग शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा राष्ट्रीय महिला टीम की अध्यक्ष वनाथी श्रीनिवासन ने बिहार के मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की।

तमिलनाडु के मंदिरों में पुजारियों की नियुक्ति पर मौजूदा स्थिति बरकरार रहेगी : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को अपने 25 सितंबर के आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया, जिसमें उसने तमिलनाडु सरकार से राज्य में 'अगमिक' परंपरा द्वारा शासित मंदिरों में 'अर्चकों' या पुजारियों की नियुक्ति पर मौजूदा शर्तों को बनाए रखने के लिए कहा था।

न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश की पीठ प्रथम दृष्टया तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे की इस दलील से सहमत नहीं हुई कि राज्य 'अर्चकों' को नियुक्त करने का हकदार है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, 'अर्चकों' की नियुक्ति एक धर्मनिरपेक्ष कार्य है और राज्य उन्हें नियुक्त करने का हकदार है। पीठ ने कहा, तर्क यह है कि राज्य सरकार एक विशेष संप्रदाय के मंदिरों में अर्चकों' की नियुक्ति में अगम' परंपराओं के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं कर रही है।

'अगम' हिंदू शास्त्रों के तांत्रिक साहित्य का संग्रह है और ऐसे ग्रंथों की तीन शाखाएं हैं – 'शैव, वैष्णव और शाक्त'। शीर्ष अदालत उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि तमिलनाडु प्रशासन द्वारा संचालित स्कूलों में 'अर्चकों' के लिए एक साल का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम करने के बाद अन्य संप्रदायों के लोगों को 'अर्चक' बनने की अनुमति देकर राज्य सरकार 'अगम मंदिरों' में 'अर्चकों' की नियुक्ति की वंशानुगत योजना में हस्तक्षेप कर रही है।

पीठ ने 25 सितंबर को 'अर्चकों' की नियुक्ति के संबंध में यथास्थिति (मौजूदा शर्तों) का आदेश दिया, जिससे राज्य सरकार के अनुसार राज्य भर के मंदिरों में 2405 'अर्चकों' की नियुक्ति रुक जाएगी। शीर्ष अदालत ने अब याचिकाओं पर आगे की सुनवाई 25 जनवरी, 2024 को तय की है और कहा है कि वह इसी तरह के मुद्दे पर मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित कार्यवाही पर रोक नहीं लगाएगी।

महिला यात्री के यौन उत्पीड़न के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । फ्रैंकफर्ट–बेंगलूरु लुफ्थांसा उड़ान में एक महिला यात्री का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 52 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कथित घटना छह नवंबर को उस वक्त हुई जब आंध्र प्रदेश के तिरूपति की रहने वाली 32 वर्षीय महिला विमान में सो रही थी।

उसने बताया कि जब महिला सो रही थी, तब उसके बगल में बैठे व्यक्ति ने कथित तौर पर उसके निजी अंगों को छुआ और उसके साथ दुर्व्यवहार किया। बाद में महिला ने विमान परिचालक से अनुरोध किया और अपनी सीट बदलवा ली, क्योंकि आरोपी यात्रा के दौरान उसे परेशान कर रहा था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट के बेंगलूरु में उतरने के बाद महिला ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद भारतीय दंड संहिता की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया।

राज्यपाल ने 25 लोगों को 'चैम्पियंस ऑफ़ चेंज कर्नाटक' सम्मान से किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 7 नवम्बर को राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने बेंगलूरु के एक होटल में 'चैंपियंस ऑफ़ चेंज कर्नाटक' सम्मान से भारत रत्न सी एन आर राव, पद्म विभूषण एस एम कृष्णा, पद्म विभूषण डी वीरेंद्र हेगड़े, बी सरोज देवी, पद्मश्री तुलसी गौड़ा, सांसद तेजस्वी सूर्य, पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद, उपेंद्र राव, खुशबू यादव, पृथ्वी सिंह सहित कर्नाटक के 25 लोगों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने इस मौके पर कहा कि इन महानुभावों का सम्मान करने का मुझे अवसर मिला है। उन्होंने इंटरैक्टिव फोरम ऑन इंडियन इकॉनमी और उसके अध्यक्ष अधिवक्ता नंदन झा की प्रशंसा करते हुए कहा की वे समाज में अच्छा काम करने वालों को सम्मानित करके अच्छा काम कर रहे हैं। मैं उनसे बहुत प्रेरित हूं। और उन्होंने सभी सम्मानित लोगों को बधाई दी और कहा कि वे समाज में अच्छा काम करना जारी रखेंगे।

चैम्पियंस ऑफ़ चेंज अवार्ड के जूरी के अध्यक्ष, भारत के पूर्व मुख्यन्यायधीश न्यायमूर्ति केजी बालाकृष्णन ने कहा कि समाज में उदारता के प्रयास के लिए हरसंभव प्रयास करनी चाहिए। उन्होंने सम्मान समारोह को समाज में अच्छे कार्यों के लिए प्रेरणा बताया। जूरी सलाहकार पूर्व राजदूत दयाकार राताकोंदा ने पुरस्कार चयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही समारोह को सम्मानित होने वाले डी वीरेंद्र हेगड़े और सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें जिम्मेदारियों का एहसास कराता है।

इंटरैक्टिव फोरम ऑन इंडियन इकॉनमी के अध्यक्ष चैम्पियंस ऑफ़ चेंज अवार्ड के संस्थापक अधिवक्ता नंदन झा ने कहा कि 'मैं और मेरी पूरी टीम जो दिल्ली से यहां आई है सबके लिए आज का यह समारोह सबसे खास है। सिर्फ हमारे लिए नहीं आप सभी के लिए भी यह क्योंकि भारत रत्न को सम्मानित होते हुए प्रत्यक्ष उसका गवाह बनना ये प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है। और यह राष्ट्रपति भवन में भी संभव नहीं है कि उनके साथ भारत रत्न के साथ किसी दूसरे विजेता को सम्मानित किया जाए यह देश में पहली बार होने जा रहा है।

केवी आरडब्ल्यूएफ येलहंका में हुआ नेशनल स्पोर्ट्स मीट 2023 क्रिकेट बॉयज अंडर-14 का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यलहंका के आरडब्ल्यूएफ केन्द्रीय विद्यालय ने 52वीं केवीएस नेशनल स्पोर्ट्स मीट 2023 क्रिकेट बॉयज अंडर–14 की मेजबानी की। इस राष्ट्रीय स्तर के मेगा इवेंट में 18 अलग–अलग क्षेत्रों के विभिन्न केवी से 276 छात्र और 36 एस्कॉर्ट्स पहुंचे। 2 नवम्बर से शुरू हुए इस आयोजन के लिए 1 नवम्बर को सभी टीमें पहुंची। सभी के ठहरने और भोजन की व्यवस्था की निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए कार्यक्रम स्थल पर केन्द्रीय विद्यालय संगठन के संयुक्त आयुक्त (कार्मिक) डॉ. पी. देवाकुमार, केवीएस क्षेत्रीय उपायुक्त धर्मेन्द पटले ने कार्यक्रम स्थल का दौरा किया उन्होंने मैदान का दौरा किया, मैच देखे और खिलाड़ियों में आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ाने के लिए उनसे बातचीत की। 6 दिन तक चलते इस भव्य आयोजन के समापन में रोमांचकारी फाइनल मैच चंडीगढ़ क्षेत्र और जम्मू क्षेत्र के बीच हुआ। जिसमें चंडीगढ़ ने मैच जीता। सभी प्रतिभागियों ने सच्ची खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए सभी मैचों का आनंद लिया।

उभरते हुए क्रिकेटरों ने पूरे आयोजन में इस लोकप्रिय खेल के प्रति अपनी प्रतिभा और जुनून का प्रदर्शन किया और मैच में जीत या हार को सच्ची खेल भावना से लिया। यह आयोजन सभी प्रतिभागियों के लिए उनके भविष्य के करियर की मजबूत नींव बनाने में मददगार साबित होगा।

दपरे दीपावली उत्सव के लिए एसएमवीटी बेंगलूरु और भगत-की-कोठी के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने दीपावली/छठ त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) बेंगलूरु और भगत–की–कोठी स्टेशनों के बीच तीन राउंड ट्रिप के लिए दो विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है।

1. ट्रेन नंबर 06217/06218 एसएमवीटी बेंगलूरु–भगत–की–कोठी–एसएमवीटी बेंगलूरु स्पेशल एक्सप्रेस बल्लारी कैंट और हुब्बल्ली के रास्ते तीन ट्रिप चलेगी। ट्रेन नंबर 06217 एसएमवीटी बेंगलूरु–भगत–की–कोठी स्पेशल एक्सप्रेस 9, 16 और 23 नवंबर (गुरुवार) को 16.30 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होकर और तीसरे दिन (शनिवार) 11:00 बजे भगत की कोठी पहुंचती है।

वापसी दिशा में, ट्रेन नंबर 06218 भगत की कोठी–एसएमवीटी बेंगलूरु स्पेशल एक्सप्रेस 12, 19 और 26 नवंबर (रविवार) को सुबह 06:30 बजे भगत की कोठी से रवाना होगी और तीसरे दिन मंगलवार को 02:30 बजे अपने गंतव्य एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचती है। रास्ते में, विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में तुमकुरु, अरसीकेरे, कदुर, चिकजाजुर, चित्रदुर्ग, रायदुर्ग, बल्लारी कैंट, तोरणगल्लू, होसपेटे, कोप्पल, गडग, एसएसएस हुबली, धारवाड़, लोंडा, बेलगावी, घाटप्रभा , मिराज, सतारा, पुणे, कल्याण, वसई रोड, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, जवाई बांध, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़ और लूनी स्टेशनों पर रुकेगी। इस विशेष ट्रेन में 1–एसी टू टियर कोच, 13–एसी थ्री टियर कोच और 2–लगेज कम ब्रेक वैन कोच की संरचना होगी।

2. ट्रेन नंबर 06219/06220 एसएमवीटी बेंगलूरु–भगत–की–कोठी–एसएमवीटी बेंगलूरु स्पेशल एक्सप्रेस अरसीकेरे और हुब्बल्ली के रास्ते तीन यात्राएं करेगी। ट्रेन नंबर 06219 एसएमवीटी बेंगलूरु–भगत की कोठी स्पेशल एक्सप्रेस 11, 18 और 25 नवंबर (शनिवार) को 16.30 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होती है और तीसरे दिन (सोमवार) 11:50 बजे भगत की कोठी पहुंचती है। वापसी में, ट्रेन नंबर 06220 भगत की कोठी–एसएमवीटी बेंगलूरु स्पेशल एक्सप्रेस 13, 20 और 27 नवंबर (सोमवार) को 23:00 बजे भगत की कोठी से रवाना होती है और तीसरे दिन बुधवार को 14:45 बजे अपने गंतव्य एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचती है।

रास्ते में, विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में तुमकुरु, अरसीकेरे, कदुर, दावणगेरे, रानीबेन्नूर, एसएमएम हावेरी, एसएसएस हुबली, धारवाड़, लोंडा, बेलगावी, घाटप्रभा, मिराज, सतारा, पुणे, कल्याण, वसई रोड , सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, जवाई बांध, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़ और लूनी स्टेशनों पर रूकेगी। विशेष ट्रेन में 4–एसी टू टियर कोच, 14–एसी थ्री टियर इकोनॉमी कोच और 2–जेनरेटर कार सह ब्रेक वैन कोच शामिल होंगे।

अधिक जानकारी के लिए, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने संबंधित रेलवे स्टेशनों से संपर्क करें या https://enquiry. Indianrail.gov.in की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं या 139 डायल करें। इन ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को यह ध्यान रखना होगा कि इन ट्रेनों में लिनन और बेडरोल उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। इन ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा के दौरान अपनी सुविधा और आराम की व्यवस्था स्वयं करें।

नाबालिग से बलात्कार एवं हत्या मामला

आरोपियों को बरी करने के खिलाफ सीबीआई ने दायर की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीबीआई ने बुधवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष एक अपील दायर कर 2012 में धर्मस्थल के पास पंगाला में 17 वर्षीय लड़की के सनसनीखेज बलात्कार और हत्या मामले में आरोपियों को बरी करने के फैसले को चुनौती दी। सीबीआई की विशेष अदालत ने 16 जुलाई को आरोपी संतोष राव को बरी कर दिया था और मामले में उसे फंसाने के लिए जांच अधिकारी और अभियोजन पक्ष को फटकार लगाई थी। अदालत ने जांच को विफल करने के लिए पुलिस अधिकारियों और अन्य के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का भी सुझाव दिया था।

फैसले के चार महीने बाद सीबीआई ने अपील दायर की है। निचली अदालत ने फैसले पर अपील दायर करने के लिए सीबीआई को 60 दिन का समय दिया था। जानकारों का कहना है कि यह देखने वाली बात होगी कि हाईकोर्ट इस अपील को स्वीकार करेगा या नहीं। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई ने दावा किया है कि मामले में बरी किए गए संतोष राव ही असली अपराधी हैं और वह उनके खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए इस संबंध में आवश्यक सबूत प्रस्तुत करेगी।

कार्यकर्ताओं के वास्तविक दोषियों को बचाने में क्षेत्र के एक शक्तिशाली धार्मिक परिवार की भूमिका और भाजपा के एक प्रमुख राजनेता का हाथ होने का आरोप लगाने के बाद मामले ने राजनीतिक मोड़ ले लिया है। मामले की दोबारा जांच करने और असली दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कार्यकर्ता तटीय कर्नाटक में विशाल रैलियां आयोजित कर रहे हैं।

आरोपी धार्मिक परिवार और भाजपा नेता के समर्थक भी आरोपी के समर्थन में बड़ी रैलियां कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह एक हिंदू तीर्थस्थल पर हमला है। उच्च न्यायालय ने पहले मामले की दोबारा जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी और इस बात पर जोर दिया था कि यह मांग परिवार के सदस्यों द्वारा की जानी थी। हालांकि, पीड़िता के परिवार वालों ने कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया है।

वीडियो से छेड़छाड़ कर महिला भाजपा नेता को ब्लैकमेल करने के आरोप में पत्रकार पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। कर्नाटक पुलिस ने एक वीडियो से छेड़छाड़ कर एक महिला भाजपा नेता को ब्लैकमेल करने के आरोप में बागलकोट जिले में एक पत्रकार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। खुद को वीडियो पत्रकार बताने वाले बंदे नवाज साराकावास के खिलाफ जामखंडी सिटी थाने में पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी।

पीड़िता जामखंडी कस्बे में भाजपा में एक प्रमुख पद पर है और वह एक निजी स्कूल में शिक्षिका भी है। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने एक अश्लील वीडियो संपादित किया और फुटेज में पीड़िता का चेहरा लगा दिया। उसने कन्नड़ गाने के साथ पेश किए गए वीडियो को कैप्शन में भाजपा महिला कार्यकर्ता का सेक्स स्कैंडल बताया।

इसके बाद आरोपी ने वीडियो के जरिये भाजपा नेता को ब्लैकमेल करना शुरू किया। उसने उन्हें मिलने और कुछ पैसों का भुगतान करने के लिए भी मजबूर किया। साराकावास ने यह भी धमकी दी कि अगर वह पैसे देने को तैयार नहीं हुई तो वह वीडियो वायरल कर देगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और अन्य लोगों ने बुधवार को चिक्कमगलूर जिले के दरदाहल्ली में पूर्व मंत्री डीबी चंद्रगौड़ा को श्रद्धांजलि देते हुए।

मंत्री का वीडियो सोशल मीडिया पर, जूते पहनने में मदद करते दिख रहा है सुरक्षाकर्मी

धारवाड़/दक्षिण भारत। कर्नाटक के समाज कल्याण मंत्री एच सी महादेवप्पा का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें उनका एक सुरक्षाकर्मी उन्हें जूते पहनने में कथित तौर पर मदद करता दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह घटना मंत्री के यहां एक छात्रावास के निरीक्षण के दौरान हुई। जब महादेवप्पा छात्रावास की रसोई से बाहर आ रहे थे, जहां वे बिना जूते के गए थे, उसी दौरान उनके सुरक्षाकर्मी ने उन्हें जूते पहनने में मदद की। वीडियो में महादेवप्पा इस दौरान अपने आसपास के लोगों के साथ बातचीत करते दिखे।

मुरुगा मठ के पुजारी शिवमूर्ति शरण को जमानत मिली

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत आरोपों का सामना कर रहे चित्रदुर्गा मुरुघाराजेंद्र ब्रुहन मठ के प्रमुख पुजारी शिवमूर्ति शरण को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को जमानत दे दी। वह पिछले साल सितंबर से हिरासत में थे। न्यायमूर्ति श्रीनिवास हरीश कुमार ने बुधवार दोपहर को यह फैसला सुनाया । इससे पहले पुजारी की तरफ से दायर आपराधिक याचिका पर न्यायाधीश ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। उच्च न्यायालय ने पुजारी के खिलाफ दो पॉक्सो मामलों में जमानत के लिए कई शर्तें लगाई हैं। मामलों की जांच पूरी होने तक शिवमूर्ति को चित्रदुर्ग जिले में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी । उन्हें दो लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो जमानत राशि पर जमानत दी गई है। उन्हें सबूतों के साथ छेड़छाड़ न करने या गवाहों को प्रभावित न करने की चेतावनी दी गई है।

बिना इजाजत फलस्तीन के समर्थन में मौन जुलूस निकालने पर प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु पुलिस ने फलस्तीन के समर्थन में यहां मौन जुलूस निकालने के आरोप में कुछ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फलस्तीनियों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए सेंट मार्क रोड पर तख्तियां और पोस्टर लेकर रविवार को मौन जुलूस निकालने वाले लोगों के समूह के पास विरोध प्रदर्शन की इजाजत नहीं थी। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के तहत प्रदर्शन सिर्फ फ्रीडम पार्क में ही किए जा सकते हैं। अधिकारी ने बताया कि मौन जुलूस की वजह से लोगों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हुई।

वीडियो के जरिए शख्स को किया ब्लैकमेल

रायचूर/दक्षिण भारत। कर्नाटक के रायचूर जिले में एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। व्यक्ति ने अपनी शिकातय में बताया कि एक अज्ञात नंबर से उसके फोन पर आए लिंक पर क्लिक करने के बाद एक मॉर्फ वीडियो के जरिए उसे एक साल से अधिक समय तक ब्लैकमेल किया गया। हट्टी सोने की खदानों में गेज ऑपरेटर महेंद्र कुर्दी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जब वह काम पर थे तो उन्हें वीडियो लिंक मिला। जब लिंक पर क्लिक किया गया तो फुटेज में खुद को एक न्यूड लड़की से वीडियो कॉल पर चैट करते देख वह हैरान रह गया। वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि महेंद्र बिल्कुल वैसा ही कर रहा है जैसा लड़की ने कॉल में किया था। अज्ञात बदमाशों ने महेंद्र को धमकी दी कि अगर उसने मोटी रकम नहीं दी तो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। महेंद्र के पुलिस के पास न जाने के बावजूद वीडियो वायरल हो गया और उसके परिवार वालों को भी भेज दिया गया।

जयपुर के पूर्व महापौर सहित अनेक लोग भाजपा में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के पूर्व महापौर विष्णु लाटा सहित अनेक लोग बुधवार को यहां भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत व पार्टी की चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक नारायण पंचारिया ने इनका पार्टी में स्वागत किया। पार्टी के बयान के अनुसार, इस अवसर पर जैसलमेर से कांग्रेस की विधायक प्रत्याशी सुनीता भाटी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेश मांडिया, राजस्थान नाथ समाज के प्रदेशाध्यक्ष ईश्वर योगी सहित अनेक लोग भाजपा परिवार में शामिल हुए।

इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों में विश्वास रखते हुए भाजपा परिवार में लोगों का आना लगातार जारी है। उन्होंने कहा,कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को धोखा दिया है जिसके कारण लोगों के मन में एक टीस और कसक है। प्रदेश में पांच साल के कुशासन से जनता त्रस्त है। भाजपा नेता ने कहा कि गृहलक्ष्मी योजना की गारंटी देने वाली गहलोत सरकार महिलाओं को सुरक्षा तक तो दे नहीं पाई और झूठी गारंटियों से जनता को गुमराह कर रही है।

राजस्थान में परंपरा टूटेगी, हमारी सरकार बनेगी : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बुधवार को विश्वास जताया कि राजस्थान में हर विधानसभा चुनाव में सरकार बदलने की परंपरा इस बार टूटेगी और प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी लोगों का ध्यान विकास के मुद्दे से भटकाने की कोशिश कर रही है। पायलट ने टोंक में कहा, राजस्थान में तीस साल से जो परंपरा चली आ रही है ... पांच साल भाजपा, पांच साल कांग्रेस... वह परंपरा टूटने वाली है। लोग केंद्र में भाजपा के दस साल के शासन को देख चुके हैं और वे बदलाव चाहते हैं।'

उन्होंने कहा, भाजपा लोगों का ध्यान भटकाने के लिए हर तरह की कोशिश कर रही है लेकिन हमारा मुद्दा विकास का है। पार्टी एकजुटता के साथ चुनाव लड़ रही है इसलिए मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि राजस्थान में सरकार हमारी ही बनेगी।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हम भारी बहुमत से सरकार बनाने जा रहे हैं, तेलंगाना में भी चौंकाने वाले परिणाम आएंगे और कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा इन चार पांच राज्यों में भी अगर हमारी सरकार बनती है तो कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) मजबूत होगा। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में यह गठबंधन जीतेगा। उल्लेखनीय है कि राजस्थान की 200 विधानसभा सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। पायलट बुधवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर हैं। उन्होंने मेहगांव और शिवपुरी से चुनावी प्रचार का आगाज़ किया।

कांग्रेस केवल स्वार्थ के लिए काम करती है : राज्यवर्धन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौर ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस केवल स्वार्थ के लिये काम करती है। जयपुर की झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी राठौड़ ने कांग्रेस पर झूठे वादे करने का भी आरोप लगाया। सांसद ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा , राजस्थान के अंदर जो झूठे वादे किए थे उनकी पोल पिछले पांच साल में पूरी तरह से खुल गई। अब जादूगर (अशोक गहलोत) लोगों को फिर भ्रमित करने के लिये नया जादू करने की कोशिश कर रहे हैं।

राठौर ने कहा कि 2018 में प्रदेश की भोली भाली जनता से झूठे वादे कर सत्ता हासिल करने वाली कांग्रेस की धोखेबाज सरकार को हटाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इस धोखे से प्रदेश का किसान, युवा, व्यापारी, महिला, कर्मचारी, दलित और वंचित सहित समाज का हर वर्ग पीड़ित है। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस की गहलोत सरकार ने पांच साल कुर्सी बचाने के लिए जनहित की अनदेखी करते हुए तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार किया है।

दिया कुमारी ने पापड़ के हनुमान जी मंदिर में स्थापित की राम-ज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। विद्याधर नगर से भाजपा प्रत्याशी व राजसमंद सांसद दिया कुमारी ने प्रसिद्ध पापड़ के हनुमान जी मंदिर में बुधवार को अयोध्या से आई राम ज्योति स्थापित की। इस कार्यक्रम के तहत अयोध्या में राम लला दरबार से राम ज्योति, अयोध्या से लेकर देश के कोने कोने में पहुंचाई जा रही है। राजस्थान के 51 हजार मंदिरों में अखंड राम ज्योति राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह तक जलाई जाएगी। उसके लिए अयोध्या से राम ज्योति जयपुर रवाना हुई है।

कार्यक्रम में दिया कुमारी ने कहा कि मैं भगवान श्री राम की वंशज हूं और 500 वर्षों के लम्बे इंतज़ार के बाद भगवान श्री राम का भव्य मंदिर निर्माण जल्द ही पूर्ण होने वाला है। मेरे लिए यह परम सौभाग्य और गौरव की बात है कि मुझे अयोध्या से आयी राम ज्योति को पापड़ के हनुमान जी मंदिर में स्थापित करने का मौका मिल रहा है। उन्होंने राम ज्योति दीपोत्सव तक अखंड रखने का भी संकल्प लिया।

दिया कुमारी ने भारी संख्या में उपस्थित जनसमूह से अपील की कि वे भी इस पावन राम ज्योति के दर्शन करें और राम–ज्योति को अपने घरों में दीपोत्सव तक अखंड रखने का संकल्प लें। दिया कुमारी ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यह ज्योति जल्द ही देश के कोने–कोने में हर घर में पहुंचेगी और सभी परिवारों को भगवान राम के आदर्शों पर चलने को प्रेरित करती रहेगी। इससे पहले दिया कुमारी ने वार्ड नं–13 में जनसंपर्क कार्यक्रम में और मेरीगोल्ड बीएड कॉलेज के वार्षिक कार्यक्रम में भी शिरकत की। वे अम्बाबाडी स्थित आदर्श विद्या मंदिर में मिनी बस एसोसिएशन की बैठक में भी सम्मिलित हुईं।

चुनाव में कांग्रेस सरकार के हटने की पूरी गारंटी है : सुधांशु त्रिवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यसभा सांसद एंव भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधाशुं त्रिवेदी ने बुधवार को भाजपा के प्रदेश मीडिया सेंटर पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस की सात गारंटियों को झूठा बताया और कहा कि इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार के हटने की पूरी गारंटी है। ज्यों–ज्यों चुनाव नजदीक आने लगे कांग्रेस अपनी हार को लेकर आशंकित ही नहीं पूरी तरह आश्वस्त हो गई है। जब किसी को अपनी पराजय नजर आने लगती है तो उसे अपने पाप भी याद आने लगते हैं। इन लोगों का जो इंडी एलायंस बना है उसमें जेडीयू के मुखिया नीतिश कुमार महिलाओं के प्रति किस प्रकार की घृणित मानसिकता रखते हैं उससे साफ है कि ये गठबंधन इनकूलसिव एलायंस नहीं होकर एक्सप्लोसिव एलायंस बन चुका है। राज्यसभा सांसद एंव भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधाशुं त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस ने इंग्लिश मीडियम स्कूलों की गारंटी दी थी जबकि धरातल पर देखें तो स्कूलों में 58 प्रतिशत वैकेंसी खाली हैं। बगैर तैयारी के अध्यापक लगा तो दिये लेकिन अब यही अध्यापक अपने ट्रांसफर की गुहार लगाने लगे हैं। बीस हजार स्कूल खोलने का वादा करने वाली कांग्रेस सरकार ने कितने स्कूल खोले जवाब है उनके पास ? भाजपा नई शिक्षा नीति के तहत प्राईमरी शिक्षा को अपनी मातृभाषा में पढ़ाने की तैयारी कर रही है वहीं कांग्रेस को आजादी के 75 साल बाद अंग्रेजी की याद आने लगी है। 2018 के घोषणा पत्र में 93 हजार फ्री लैपटॉप बांटने की गारंटी का क्या हुआ? बेरोजगारी भत्ते की गारंटी का क्या हुआ?

राज्यसभा सांसद एंव भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधाशुं त्रिवेदी ने कहा कि देश में आईटी रेवोल्यूशन को मोदी सरकार ने बढ़ाया है, जहां 2013 में औसत ब्रॉडबैंड की स्पीड 1.7 मेगाबाट प्रति सैकिंड थी वह अभी 3.9 मेगाबाट प्रति सैकिंड है। ब्रॉडबैंड कनेक्शन पूरे भारत में पहुंच गए और डाटा की कोस्ट 25 गुना कम हुई है। कांग्रेस ने आपदा राहत बीमा की गारंटी देने की बात कही जबकि आयुष्मान भारत योजना पहले से ही चल रही है।

इनके 25 लाख रूपये बीमा का एक भी लाभार्थी नजर नहीं आता। गृहलक्ष्मी योजना की बात करने वाले लोगों ने महिलाओं के लिए क्या किया ? जबकि मोदी सरकार ने नारी शक्ति वंदन जैसे बिल महिलाओं के लिए पास किये हैं और उज्ज्वला योजना की शुरूआत भी मोदी सरकार ने की थी गहलोत सरकार किस मुंह से इसपर वाहवाही लूटना चाह रही है। ओपीएस की बात करने वाली कांग्रेस दस साल केंद्र में रही और राजस्थान में रह चुकी तब इनको इसकी याद क्यों नहीं आई ?

राज्यसभा सांसद एंव भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधाशुं त्रिवेदी ने कहा कि हिमाचल और कर्नाटक में भी कांग्रेस झूठी गारंटियों के बूते सत्ता में आ गई, लेकिन वहां की जनता अब पछता रही है। कांग्रेस ने राजस्थान को इन पांच सालों में केवल सात गारंटियां दी हैं और वो हैं पेपर लीक की गारंटी, महिला उत्पीड़न की गारंटी, दलित अत्याचार की गारंटी, अपराधियों की दबंगई की गारंटी, कट्टरपंथियों को जूलूस की आजादी देने की गारंटी, भ्रष्टाचार के अंबार की गारंटी और किताबों में मुगलों को महान लिखने की गारंटी ये सभी गारंटियां कांग्रेस ने राजस्थान को इन पांच सालों में दी हैं।

अपील

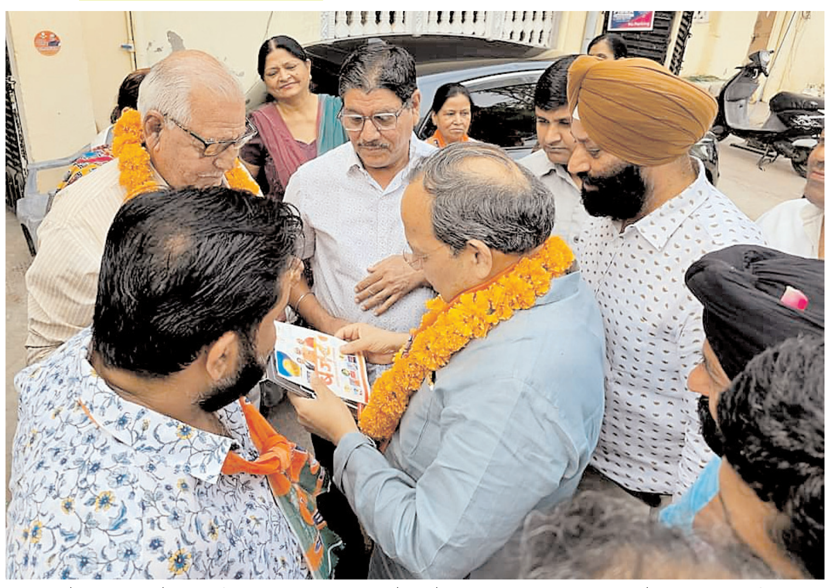

जयपुर में बुधवार को मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में महाजनसंपर्क अभियान के तहत मालवीय नगर में घर घर जाकर भाजपा को वोट देकर सुशासन का कमल खिलाने की अपील करते अरुण सिंह।

राजस्थान में भाजपा आ रही और कांग्रेस का जहाज डूब रहा : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बुधवार को दावा किया कि राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी जीत दर्ज करेगी। उल्लेखनीय है विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के कई लोगों ने बुधवार को भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इसकी ओर इशारा करते हुए शेखावत ने पार्टी के मीडिया सेंटर में संवाददाताओं से कहा, भाजपा के तहसील कार्यालय

और जिला कार्यालय से लेकर प्रदेश कार्यालय तक प्रतिदिन हजारों लोग भाजपा के परिवार से जुड़ रहे हैं। यह इस बात का परिचायक है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार में आ रही है और कांग्रेस का जहाज डूब रहा है।'शेखावत ने कहा कि इस डूबते जहाज को छोड़कर कांग्रेस के कई बड़े नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि यह तय है कि भाजपा आएगी, कांग्रेस जाएगी। उल्लेखनीय है कि राज्य विधानसभा की 200 सीटों पर 25 नवंबर को मतदान होना है जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महिलाओं पर दिए गए बयान पर माफी मांगे जाने से जुड़े एक सवाल के जवाब में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि अब अनर्गल बयान देने वालों के माफी मांगने का सिलसिला शुरू हो गया है।

शाह के 'चुनावी रथ' से बिजली का तार छूने की घटना की जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने उस घटना की जांच के आदेश दिए जिसके तहत मंगलवार को परबतसर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 'चुनावी रथ' (विशेष रूप से डिजाइन किए गए वाहन) का ऊपरी हिस्सा बिजली के तार के संपर्क में आ गया था। हालांकि, इससे कोई अप्रिय घटना नहीं घटी और मंत्री समेत सभी लोग सुरक्षित रहे। आधिकारिक सूत्रों ने कहा,गृह विभाग ने अजमेर के संभागीय आयुक्त को घटना की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कल रात कहा था कि घटना की जांच कराई जाएगी। पुलिस ने कहा कि यह घटना तब घटी जब शाह का काफिला बिदियाद गांव से परबतसर की ओर जा रहा था। उनका काफिला एक गली से गुजर रहा था तभी रथ का ऊपरी हिस्सा तार से छू गया और चिंगारी उत्पन्न हो गई।

रथ के गुजरने के बाद तार टूटकर सड़क पर गिर गया। रथ के पीछे के बाकी वाहन तुरंत रुक गए और बिजली की आपूर्ति रोक दी गई। शाह दूसरे वाहन में सवार होकर परबतसर पहुंचे। शाह ने मंगलवार को भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में कुचामन, मकराना और नागौर के परबतसर में तीन रैली को संबोधित किया।

पोकरण के चुनावी समर में हिंदू महंत का मुकाबला मुस्लिम धर्मगुरु के बेटे से

राजस्थान विधानसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोकरण। राजस्थान में 2018 के पिछले विधानसभा चुनाव में पोकरण विधानसभा सीट पर हार जीत का फैसला सिर्फ 872 वोट के अंतर से हुआ था जहां इस बार मुकाबला एक हिंदू महंत और मुस्लिम धर्म गुरु के बेटे के बीच है। कांग्रेस के मौजूदा विधायक सालेह मोहम्मद को उम्मीद है कि लोग उनके विकास कार्यों के लिए वोट करेंगे, न कि धार्मिक आधार पर। सालेह मोहम्मद ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, इस बार चुनाव विकास के बारे में है। कांग्रेस सरकार ने ऐतिहासिक विकास कार्य किये हैं और धर्म कोई मुद्दा नहीं है। चुनाव में हिंदू–मुस्लिम कोई कारक नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके या सरकार के खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी लहर' नहीं है। राज्य की अशोक गहलोत सरकार में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री सालेह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के बड़े बड़े नेता प्रचार के लिए आएंगे तो धर्म के आधार पर भाषण देंगे, लेकिन इसका अब लोगों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस सीट से भाजपा के उम्मीदवार एवं महंत स्वामी प्रताप पुरी जोर देकर कहते हैं कि विकास कार्यों पर कांग्रेस पार्टी के दावे मतदाताओं को लुभाने के लिए चुनाव से पहले की गई घोषणाएं हैं।

पुरी ने 'पीटीआई भाषा' से कहा,मैं पिछले पांच वर्षों से लोगों से जुड़ा हुआ हूं। कांग्रेस अपने काम की बात तो कर रही है लेकिन उनमें से ज्यादातर सिर्फ घोषणाओं तक ही सीमित हैं और चुनाव से ठीक पहले की गई घोषणाएं केवल लोगों को लुभाने का प्रयास भर है। भाजपा नेता ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए मामूली काम की तुलना केंद्र के काम से नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार काम तो शुरू करती है लेकिन वह काम पूरा होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।' पुरी और सालेह मोहम्मद दोनों का अपने अपने समाज पर प्रभाव है। पुरी राजपूत समाज के नेता और बाड़मेर जिले में तारातारा मठ के धार्मिक प्रमुख यानी महंत हैं जबकि सालेह मोहम्मद के भारत में और सीमा पार पाकिस्तान में बड़ी संख्या में समर्थक हैं।

अपने पिता गाजी फकीर की मृत्यु के बाद वह अब पाकिस्तान में सिंधी मुसलमानों के धार्मिक प्रमुख पीर पगारो के प्रतिनिधि हैं। राजस्थान के सीमावर्ती जिले जैसलमेर में पोकरण निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 2.22 लाख मतदाता हैं जिनमें से अधिकांश मुस्लिम या राजपूत हैं। यहां करीब 60,000 मुस्लिम, 40,000 राजपूत, 35,000 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, 10,000 जाट, 6,000 बिश्नोई, 5,000 माली और 3,000 ब्राह्मण मतदाता हैं। वैसे तो दोनों नेता अपने धार्मिक वोट बैंकों पर भरोसा कर रहे है जबकि अन्य समुदायों का समर्थन उम्मीदवारों का भाग्य तय कर सकता है। स्थानीय मुद्दे और पिछले पांच वर्षों में लोगों के साथ नेताओं के व्यक्तिगत संबंध भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

पोकरण के स्थानीय निवासी जाकिर खान ने कहा,निस्संदेह, निर्वाचन क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों में विकास कार्य हुए हैं। लेकिन ऐसे भी उदाहरण रहे जब विधायक ने अपने समुदाय के लोगों पर ध्यान नहीं दिया लेकिन दूसरों के लिए काम किया। एक अन्य स्थानीय निवासी अकबर खान ने कहा,लोग धार्मिक आधार पर वोट करते हैं लेकिन हमेशा धर्म पर वोट नहीं दिये जाते है। जब मतदान की बात आती है तो समाज के मुद्दे और लोगों से जुड़ाव भी मायने रखता है। वहीं चाय विक्रेता मनोहर सिंह ने कहा कि यह बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदाय के बीच स्पष्ट लड़ाई है। उन्होंने कहा, हिंदू भाजपा को वोट देंगे जबकि मुस्लिम कांग्रेस को वोट देंगे। अन्य समुदाय परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एक निवासी गीतू देवी ने कहा ,हम उस उम्मीदवार को वोट देंगे जिसका लोगों से बेहतर जुड़ाव होगा। उन्होंने गहलोत सरकार के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताया और इसकी कल्याणकारी योजनाओं की सराहना की। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषक मनोहर जोशी ने कहा कि क्षेत्र में चुनाव आमतौर पर सिर्फ उम्मीदवारों के प्रदर्शन के बारे में नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि पोकरण को कॉलेज मिले हैं, गांवों के लिए बेहतर सड़क संपर्क, एक बेहतर जिला अस्पताल, एक परिवहन पंजीकरण कार्यालय और अन्य चीजें मिली हैं।

उन्होंने कहा, यहां लोग अपने धर्म के आधार पर वोट देते हैं और बाकी सब चीजें पीछे रह जाती हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, पिछले वर्षों के विपरीत इस बार कांग्रेस सरकार के खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी लहर' नहीं है, लेकिन चूंकि दोनों उम्मीदवार धार्मिक नेता हैं, इसलिए वोट उसी आधार पर विभाजित होंगे। पोकरण में पिछले तीन चुनावों में से दो में कांटे की टक्कर रही है। 2008 में सालेह मोहम्मद ने भाजपा के शैतान सिंह को 339 वोटों से हराया था। परिसीमन प्रक्रिया के बाद यह सीट 2008 में अस्तित्व में आई। वहीं 2013 के चुनाव में सिंह ने सालेह मोहम्मद को 34,444 के भारी अंतर से हराया। 2018 में जब भाजपा ने पुरी को मैदान में उतारा तो वह मोहम्मद से महज 872 वोटों से हार गए। राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 25 नवंबर को होगा, जबकि वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

त्रिकोणीय मुकाबले में फंसे हैं कांग्रेस के ओमप्रकाश हुडला और भाजपा के राजेंद्र मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। महवा विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशी ने भाजपा एवं कांग्रेस के समीकरण बिगाड़ दिए हैं। पूर्वी राजस्थान के कद्दावर नेता डॉक्टर किरोडी लाल मीणा के भतीजे राजेंद्र मीणा को भाजपा ने दूसरी बार यहां से प्रत्याशी बनाया है। गत चुनाव में राजेंद्र मीणा की ओमप्रकाश हुड़ला के सामने हार हो गई थी। लेकिन इस बार उन्हें वापस टिकट दिया गया है। जबकि निर्दलीय विधायक ओम प्रकाश हुड़ला को कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस का टिकट नहीं मिलने पर वरिष्ठ नेता रामनिवास गोयल ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ताल ठोक दी है। हुड़ला को टिकट देने से यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी असंतोष देखा गया। हुड़ला को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद कांग्रेस के अन्य दावेदार पूर्व जिला प्रमुख अजीत सिंह, गत चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी रहे अजय बोहरा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने खुली बगावत कर दी। इसके बाद रामनिवास गोयल ने निर्दलीय के रूप में ताल ठोक दी। रामनिवास गोयल के मैदान में आते ही दोनों पार्टियों के समीकरण गड़बड़ा गए हैं।

महवा में एसटी वर्ग का बाहुल्य है, साथ ही एससी वोट निर्णायक हैं। लेकिन सामान्य वर्ग के वोटों का ध्रुवीकरण गोयल के पक्ष में होने से दोनों पार्टियों की नींद हराम हो गई है। सामान्य सीट पर भाजपा व कांग्रेस द्वारा एसटी प्रत्याशी उतार देने से भी सामान्य वर्ग के लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। अब गुर्जर मतदाताओं को साधने के लिए तीनों प्रत्याशी अपने अपने पैंतरे आजमा रहे हैं। लेकिन गुर्जर मतदाताओं ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

जैविक खेती को मिलेगा बढ़ावा

अमित शाह ने लॉंच किया भारत आर्गेनिक ब्रांड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नवगठित नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसीओएल) के 'भारत ऑर्गेनिक्स' ब्रांड को लॉन्च करते हुये कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कई मापदंड निर्धारित किए हैं, जिनमें से एक जैविक खेती है।

शाह ने एनसीओएल द्वारा आयोजित सहकारी समितियों के माध्यम से जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने से जुड़ी राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा यह सभी भारतीयों के लिए संतोष की बात है कि हम कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर हैं। अधिशेष उत्पादन की यात्रा में कुछ गलतियां भी की गई हैं। हमें कमजोरियों की पहचान करनी होगी। उत्पादन बढ़ाने के लिए, उर्वरक और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने हमारे भविष्य के लिए बुरे परिणाम दिए हैं। इसने भूमि की उर्वरता को कम कर दिया, भूमि और पानी को प्रदूषित कर दिया है। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमने कई मापदंड निर्धारित किए हैं, जिनमें से एक जैविक खेती है। जैविक खेती को सफल बनाने के लिए हमें कई कारकों पर काम करना होगा और उन्हें एक साथ लाकर आगे बढ़ना होगा।

मोदी ने 'अपमानजनक' टिप्पणी पर नीतीश की आलोचना की, महिलाओं का सम्मान सुनिश्चित करने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुना (मप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विधानसभा में महिलाओं के खिलाफ 'अपमानजनक' टिप्पणी को लेकर बिना नाम लिये बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना की और कहा कि महिलाओं का सम्मान सुनिश्चित करने के लिए वह जो भी कर सकेंगे, करेंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं का इतना अपमान होने के बावजूद विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों ने एक शब्द भी नहीं बोला है।

मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम लिए बगैर कहा,''कल 'इंडी' गठबंधन के बड़े नेताओं में से एक, जो ब्लॉक का झंडा ऊंचा रख रहे हैं और वर्तमान सरकार (केंद्र में) को हटाने के लिए तरह-तरह के खेल खेल रहे हैं, उन्होंने माताओं -बहनों की उपस्थिति में राज्य विधानसभा में ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया, जिसके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता...उन्हें इसके लिए शर्म तक महसूस नहीं हुई।'' नीतीश कुमार ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए महिलाओं की शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए मंगलवार को राज्य विधानसभा में कहा कि कैसे एक शिक्षित महिला अपने पति को संबंध बनाने के दौरान 'रोक' सकती है। उन्होंने बुधवार को अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसी दृष्टि रखने वाले आपका मान-सम्मान कैसे रखेंगे? वे कितना नीचे गिरेंगे? देश के लिए कितनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। मैं आपका मान-सम्मान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा।

वह 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश के गुना में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें (नीतीश कुमार) शर्म नहीं आती। इतना ही नहीं, महिलाओं के प्रति इतने बड़े अपमान के बावजूद 'इंडी' गठबंधन के किसी भी नेता ने एक शब्द तक नहीं बोला। उन्होंने सवाल किया, जो लोग माताओं-बहनों के प्रति ऐसी सोच रखते हैं, क्या वे कोई भला कर सकते हैं? उन्होंने कहा, ''माताओ-बहनो-आपके सम्मान के लिए मैं जो भी कर सकूंगा, करूंगा।'' देशभर में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन योजना दिसंबर के बाद भी जारी रखने के अपने वादे का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह इस मुद्दे पर उनके खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत करेगी। उन्होंने कहा, ''मैं अगले पांच वर्षों तक 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन योजना जारी रखने के लिए सब कुछ करूंगा। उन्हें (कांग्रेस) मेरे खिलाफ दुनिया की किसी भी अदालत में जाने दो।'' मोदी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार एक ऐसी नीति पर काम कर रही है जिसके तहत हर घर में सौर ऊर्जा के जरिए बिजली पैदा की जाएगी।

15 लाख रुपये के इनामी माओवादी ने आत्मसमर्पण किया

रांची/भाषा। झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ में 70 से अधिक मामलों में वांछित एक कुख्यात नक्सली ने बुधवार को सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया । उस पर 15 लाख रुपये का इनाम था । पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाला नक्सली भाकपा - माओवादी का 'क्षेत्रीय कमांडर' है और उसकी पहचान नवीन उर्फ सरबजीत यादव उर्फ विजय यादव के तौर पर हुयी है । उन्होंने बताया कि वह राज्य में संगठन के शीर्ष कमांडरों में से एक है। उन्होंने बताया कि यादव चतरा जिले का रहने वाला है और उसने वहीं सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण किया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ''आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी के खिलाफ 70 से अधिक मामले हैं, जो पिछले 10 वर्षों से झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ में सक्रिय था।

नोटबंदी एक सोची समझी साजिश थी, देश प्रधानमंत्री को कभी माफ नहीं करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने नोटबंदी के सात साल पूरा होने के अवसर पर बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का यह फैसला एक सोची समझी साजिश थी जिससे अर्थव्यवस्था की कमर टूट गई। मुख्य विपक्षी दल ने यह दावा भी किया कि देश इस 'भीषण त्रासदी' के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कभी माफ नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ नवंबर, 2016 को रात आठ बजे देश को संबोधित करते हुए 500 रुपये और 1000 रुपये के नोट बंद करने का ऐलान किया था। सरकार ने 500 रुपये और 2000 रुपये के नए नोट जारी किए थे। अब 2000 रुपये के नोट को चलन से बाहर कर दिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नोटबंदी के बाद मोदी जी ने 50 दिन मांगे थे, आज 7 साल हो गए। वो चौराहा तो नहीं मिला, देश को दोराहे पर ज़रूर खड़ा कर दिया। एक तरफ़ अमीर, अरबपति अमीर हो गया है, तो दूसरी ओर, गरीब और भी गरीब होता जा रहा है।'' उन्होंने दावा किया, ''आज 150 लोगों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है जिन्होंने नोटबंदी के चक्रवात को झेला ! देश की अर्थव्यवस्था और विकास दर को गहरा धक्का लगा। एक ही झटके में लाखों छोटे व्ययसाय ठप्प पड़ गए। करोड़ों लोगों ने अपनी नौकरियां गंवाई। पाई-पाई जोड़कर जो हमारी गृह लक्ष्मी महिलाओं ने बचत जुटाई थी, वो ख़त्म हो गई। जाली नोट और बढ़ गए, 500 रुपये के जाली नोटों में पिछले साल ही 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और 2000 के नोटों पर भी नोटबंदी लागू करनी पड़ी।''

खरगे ने यह भी कहा, ''मोदी सरकार काले धन पर लगाम लगाने में विफ़ल रही। चलन में नगदी में 2016 से अब तक 83 प्रतिशत का उछाल आया। मोदी सरकार की नोटबंदी आम नागरिकों के जीवन में एक गहरे ज़ख्म की तरह है, जिसकी मरहम-पट्टी वो आज तक कर रहें हैं।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नोटबंदी एक सोची समझी साज़िश थी। यह साजिश रोज़गार तबाह करने, श्रमिकों की आमदनी रोकने, छोटे व्यापारों को खत्म करने की, किसानों को नुकसान पहुंचाने की और असंगठित अर्थव्यवस्था को तोड़ने की थी।'' उन्होंने दावा किया, ''99 प्रतिशत आम भारतीय नागरिकों पर हमला, एक प्रतिशत पूंजीपति मोदी 'मित्रों' को फायदा। यह एक हथियार था, आपकी जेब काटने का, परम मित्र की झोली भर कर उसे 609 से दुनिया का दूसरा सबसे अमीर बनाने का!'' पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, ''आज से सात साल पहले आठ नवंबर 2016 को रात 8 बजे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश पर नोटबंदी का प्रहार किया था। एक निर्णय जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी...24 मार्च, 2020 को अनियोजित, अचानक तालाबंदी के साथ एक बार फिर दोहराया गया, जिसके कारण लाखों प्रवासी श्रमिकों को सैकड़ों और हजारों किलोमीटर पैदल चलकर घर वापस जाना पड़ा।''

लोकपाल ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश दिया : दुबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को कहा कि लोकपाल ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा कथित भ्रष्टाचार किए जाने की उनकी शिकायत पर उनके (मोइत्रा के) खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच का आदेश दिया है। इस घटनाक्रम की ओर परोक्ष तौर पर इशारा करते हुए मोइत्रा ने कहा कि सीबीआई को पहले अडाणी समूह के कथित कोयला घोटाले की जांच के लिए प्राथमिकी दर्ज करनी चाहिए। उन्होंने यह कटाक्ष भी किया कि 'लोकपाल अभी जिंदा है।'

इससे कुछ दिन पहले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मोइत्रा पर रिश्वत के बदले कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के इशारे पर, उपहारों के बदले, अडाणी समूह को निशाना बनाने के लिए लोकसभा में सवाल पूछने का आरोप लगाया था। इस मामले को लोकसभा की आचार समिति देख रही है।

मोइत्रा ने किसी भी तरह का आर्थिक लाभ प्राप्त करने के आरोप से इनकार किया है।

दुबे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, ''लोकपाल ने मेरी शिकायत पर, राष्ट्रीय सुरक्षा को गिरवी रखकर भ्रष्टाचार करने की आरोपी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ आज सीबीआई जांच का आदेश दिया।''

सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में कांग्रेस विधायक गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम में कांग्रेस विधायक आफताबुद्दीन मोला को एक जनसभा में एक समुदाय को निशाना बनाने वाले कथित घृणास्पद भाषण के लिए बुधवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त दिगंत बराह ने कहा कि विपक्षी दल के विधायक को यहां एमएलए क्वार्टर्स में अन्य कांग्रेस विधायक के आवास से मंगलवार रात को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था। मोला ने पिछले हफ्ते एक जनसभा में कथित तौर पर कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि एक विशेष प्रकार का अपराध एक खास समुदाय के लोगों का एक समूह करता है। सभा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसके बाद हंगामा मच गया। इसे लेकर विभिन्न स्थानों पर पुलिस में कई शिकायतें दी गईं।

राष्ट्रपति ने बदरीनाथ धाम के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपेश्वर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित बदरीनाथ धाम के दर्शन किए ।

राष्ट्रपति ने मंदिर में भगवान बदरी विशाल की करीब 25 मिनट तक पूजा अर्चना की और देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इससे पहले, मुर्मु भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से बदरीनाथ में सेना के हेलीपैड पर पहुंची जहां उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनकी अगवानी की। इस दौरान श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय भी मौजूद रहे ।

यहां से राष्ट्रपति काफिले के साथ सीधे मंदिर पहुंचीं और मंदिर में भगवान बदरीनाथ की विशेष पूजा की। बदरीनाथ के मुख्य पुजारी रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी एवं वेदपाठियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनकी विधिवत पूजा संपन्न करवाई। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष अजय की अगुवाई में अन्य पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को बदरी विशाल का प्रसाद एवं अंगवस्त्र भेंट किया।

सांप के जहर का संदिग्ध उपयोग: पुलिस ने यूट्यूबर से पूछताछ की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। नोएडा पुलिस ने एक पार्टी में सांप के जहर के संदिग्ध इस्तेमाल को लेकर यूट्यूबर एवं 'बिग बॉस ओटीटी-2' के विजेता एल्विश यादव से मंगलवार देर रात पूछताछ की। पुलिस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं पशु चिकित्सा विभाग की जांच में पता चला कि पिछले सप्ताह आरोपी व्यक्तियों के कब्जे से छुड़ाये गए सभी नौ सांपों में जहर ग्रंथियां गायब थीं।

रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी के विजेता यादव, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों और भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी के तहत आपराधिक साजिश को लेकर पिछले सप्ताह यहां दर्ज की गई प्राथमिकी में नामजद छह व्यक्तियों में से एक हैं।

नोएडा पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''यादव जांच में शामिल हुए। वह मंगलवार देर रात करीब 11.30 बजे थाने पहुंचे। फिर उनसे करीब दो घंटे तक पूछताछ की गई और जाने दिया गया। उन्हें फिरे बुलाया जाएगा।'' पुलिस मामले में गिरफ्तार पांच लोगों की हिरासत के लिए पहले ही आवेदन कर चुकी है।

जांच समिति के प्रमुख डॉ. निखिल वार्ष्णेय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पशु चिकित्सा विभाग ने अपनी जांच में पाया कि पांच कोबरा समेत सभी नौ सांपों में जहर ग्रंथियां गायब थीं, जिन्हें तीन नवंबर को आरोपी व्यक्तियों के कब्जे से छुड़ाया गया था। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, बचाए गए नौ सांपों में से आठ के दांत गायब थे।

एशियाई खेल और पैरा एशियाई खेलों में 100 से अधिक पदक जीतना बड़ी उपलब्धि: पीटी उषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने चीन के हांगझोउ में हाल में समाप्त हुए एशियाई खेल और पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतरीन करार देते हुए बुधवार को यहां कहा कि इन दोनों प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक पदक जीतना बड़ी उपलब्धि है।

उषा यहां राष्ट्रीय खेलों की गोल्फ प्रतियोगिता देखने के लिए दिल्ली गोल्फ क्लब पहुंची थी।

यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार उषा ने कहा,''हमारे खिलाड़ियों ने एशियाई खेल और एशियाई पैरा खेल दोनों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। दोनों प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक पदक जीतना बड़ी उपलब्धि है। जब भी मैं एशियाई खेलों के किसी स्थल पर जाती तो कोई भारतीय पदक जीत रहा होता था जिससे मुझे गर्व महसूस होता था।''

भारत ने एशियाई खेलों में 28 स्वर्ण पदक सहित कुल 107 पदक जीते थे जबकि इसके बाद पैरा एशियाई खेलों में 29 स्वर्ण पदक सहित 111 पदक अपने नाम किए थे।

उषा ने एशियाई खेलों में भारतीय गोल्फरों विशेष कर अदिति अशोक के प्रदर्शन की सराहना की। अदिति ने महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा था। उषा ने कहा, ''राष्ट्रीय खेलों में गोल्फ खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करते देखना शानदार अनुभव था। मैंने कभी किसी गोल्फ प्रतियोगिता को इतने करीब से नहीं देखा था। वास्तव में, मैंने आज गोल्फ में भी हाथ आजमाये।

एआईएफएफ ने अपने महासचिव शाजी प्रभाकरण को भरोसे की कमी के कारण निकाला

नई दिल्ली/भाषा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने अपने महासचिव शाजी प्रभाकरण को विश्वास की कमी के कारण बर्खास्त कर दिया । एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को प्रभाकरण को बर्खास्तगी का पत्र दिया । उन्हें तीन सितंबर 2022 को ही यह पद दिया गया था । एआईएफएफ उपाध्यक्ष एन ए हैरिस ने पीटीआई को बताया ,'' एआईएफएफ ने प्रभाकरण को बर्खास्तगी पत्र दे दिया है । वह अब एआईएफएफ महासचिव नहीं हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' उप महासचिव सत्यनारायणन एम कार्यवाहक महासचिव होंगे ।'' उन्होंने कहा कि चौबे और प्रभाकरण के बीच विश्वास की कमी थी और प्रभाकरण की कार्यशैली से एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य भी खुश नहीं थे ।

मैक्सवेल की पारी ने कपिल देव की याद दिला दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। टनब्रिज वेल्स में 1983 में वह सर्दियों की सुबह थी और 40 साल बाद वानखेड़े स्टेडियम पर गुनगुनी शाम , लेकिन जीत का वही जुनून और बल्ले से रनों के रूप में वही आतिशबाजी क्रिकेट की इतिहास पुस्तिका में हमेशा के लिये दर्ज हो गई ।

उस समय कपिल देव थे तो अब ग्लेन मैक्सवेल । जिम्बाब्वे के खिलाफ इंग्लैंड में विश्व कप के उस मैच में भारत के पांच विकेट 17 रन पर गिर चुके थे तो अफगानिस्तान के खिलाफ इस विश्व कप में आस्ट्रेलिया ने सात विकेट 91 रन पर गंवा दिये थे ।

समानतायें यहीं खत्म नहीं होती ।

25 जून 1983 को टीम मैनेजर पी आर मान सिंह ने कपिल की बल्लेबाजी के दौरान क्रिस श्रीकांत को बाथरूम जाने नहीं दिया था और वह एक ही जगह पर खड़े रहे । कपिल की बल्लेबाजी के दौरान ड्रेसिंग रूम में कोई जगह से नहीं हिला । कपिल ने 175 रन की पारी खेलकर अनहोनी को होनी कर दिखाया था ।

इसी तरह मैक्सवेल जब बल्लेबाजी कर रहे थे तो आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में अपनी जगह से तब तक नहीं उठे जब तक उसने मुजीबुर रहमान को छक्का नहीं जड़ दिया ।

तीन टीमें, तीन दिन और एक स्थान :

सेमीफाइनल में किससे भिड़ेगा भारत ?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता /भाषा। आस्ट्रेलिया की अफगानिस्तान पर चमत्कारिक जीत के बाद यह तय हो गया कि विश्व कप सेमीफाइनल में उसका सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा लेकिन भारत के खिलाफ खेलने के लिये अभी न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और अफगानिस्तान तीनों दौड़ में हैं । न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के आठ आठ अंक हैं लेकिन नेट रनरेट के आधार पर ही उनके क्रम में अंतर है ।

न्यूजीलैंड का रनरेट (प्लस 0.398) सबसे ज्यादा है तो बेंगलुरू में आखिरी ग्रुप मैच में श्रीलंका से खेलेगी । उसे अच्छे अंतर से जीत दर्ज करने के अलावा यह दुआ भी करनी होगी कि पाकिस्तान (प्लस 0.036) और अफगानिस्तान (माइनस 0.038) हार जायें । न्यूजीलैंड लगातार चार मैच हार चुका है और बेंगलुरू में मैच के दौरान बारिश की भी संभावना है।

ईडन गार्डंस पर भारत और पाकिस्तान के बीच सेमीफाइनल की संभावना बनी हुई है । इसके लिये पाकिस्तान को शनिवार को इंग्लैंड पर धमाकेदार जीत दर्ज करनी होगी । बाबर आजम की टीम लय में लौट रही है और उसे एक बड़ी जीत की जरूरत है । उसके पास फायदा यह है कि उसे न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के मैचों के बाद खेलना है लिहाजा उसे सारे समीकरण पता होंगे ।

अफगानिस्तान का सामना शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका से होना है । यानी पाकिस्तानी टीम शनिवार को ईडन गार्डंस पर इंग्लैंड से खेलेगी तो उसे नेट रनरेट का पता होगा । अफगानिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये दक्षिण अफ्रीका को काफी विशाल अंतर से हराना होगा क्योंकि नेट रनरेट में वह सबसे पीछे है । वैसे अगर न्यूजीलैंड और पाकिस्तान हार जाते हैं तो उसका काम सिर्फ जीत से चल जायेगा । नीदरलैंड टीम के चार अंक है और तकनीकी तौर पर उसे भी बाहर नहीं कहा जा सकता । अगर बचे हुए दोनों मैच जीत लिये तो उसके भी आठ अंक हो जायेंगे । उसे इंग्लैंड और भारत से बाकी दो मैच खेलने है जिसें उसे भारी उलटफेर करना होगा क्योंकि उसका रनरेट माइनस 1 . 504 है । वैसे इसकी संभावना कम ही लग रही है क्योंकि उसे बाकी मैचों में न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के हार की दुआ करनी होगी ।

सुविचार

ज़िन्दगी की राह कुछ भी आसान नहीं है, पर हिम्मत वालों के लिए सब आसान हो जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय उत्पादों वाली दीपावली

दीपावली ऐसा पर्व है, जिसका हमारे देश की अर्थव्यवस्था से बहुत गहरा संबंध है। इस दिन भगवान गणपति, मां लक्ष्मी और सरस्वती के पूजन का यह भी संदेश है कि परिवार हो या देश, उसमें सुख-शांति के लिए बुद्धि, धन और ज्ञान का होना बहुत जरूरी है। जहां इनमें से एक का भी अभाव होगा, वहां असंतुलन पैदा होगा, जो कई समस्याओं का कारण बनेगा। इस दीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से स्थानीय स्तर पर विनिर्मित उत्पाद खरीदने का जो आह्वान किया है, वह भी लक्ष्मी पूजन का एक स्वरूप कहा जा सकता है। प्राय: यह देखने में आता है कि हमारे त्योहारों पर बाजारों में विदेशी सामान की खूब बिक्री होती है। दीपावली के दीपक की जगह तो वर्षों पहले चीनी झालरें ले चुकी हैं। मकर संक्रांति पर चीनी मांझे के साथ पतंगें आसमान में अठखेलियां करती नजर आ जाती हैं। भले ही राज्य सरकारें इस मांझे के खतरे को देखते हुए प्रतिबंध लगाने के कितने ही जतन कर लें। होली पर भी चीनी पिचकारियों का बोलबाला होता है। इसके अलावा नए साल और खास मौकों पर मोबाइल फोन तथा विद्युत उपकरणों में भी 'मेड इन चाइना' ही छाया रहता है। हां, हाल के वर्षों में दीपावली से पहले सोशल मीडिया में 'चीनी झालरों का बहिष्कार करें' जैसे संदेश खूब आने लगे हैं, जिनसे प्रेरित होकर लोग चीनी माल से कुछ परहेज तो करते हैं, लेकिन अभी स्थिति कोई बहुत उत्साहजनक नहीं है। चीन के साथ हमारे संबंध मधुर नहीं हैं और न निकट भविष्य में सुधार की कोई संभावना है। लेकिन उसका माल हमारे बाजारों में खूब खप रहा है। एक तरफ तो चीन हमसे शत्रुता रखता है, लेकिन दूसरी तरफ हमारे बाजारों से मोटा मुनाफा कमाता है।

बात सिर्फ चीन की नहीं है। हमारे द्वारा सोशल मीडिया, मैसेजिंग ऐप, सर्च इंजन ... तक इस्तेमाल की जाने वाली ज्यादातर सेवाएं विदेशी हैं। आज लोग विदेशी सोशल मीडिया ऐप्स पर 'विदेशी सामान' के बहिष्कार की अपीलें कर रहे हैं, क्योंकि हमने ऐसे मजबूत ऐप्स विकसित ही नहीं किए, जो इन्हें टक्कर दे सकें। लिहाजा हमारा विरोध चीनी झालरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। बल्कि हमें स्वदेशी उद्योगों को मजबूत करने पर जोर देना चाहिए। इस दीपावली पर जब लोग दीपक, तेल, मिठाई जैसी चीजें लेंगे तो यह राशि किसी भारतवासी के घर में ही जाएगी। इसका फायदा देश की अर्थव्यवस्था को होगा। 'वोकल फॉर लोकल' की इस भावना का विस्तार करते हुए यह कोशिश करें कि जब कपड़े, मोबाइल फोन, विद्युत उपकरण और अन्य सामान खरीदें, तो उसका निर्माता भी कोई भारतीय हो। प्राय: यह 'तर्क' दिया जाता है कि कुछ लोगों के खरीदने से क्या होगा, ज़्यादातर लोग तो चीनी, अमेरिकी सामान खरीद रहे हैं और स्वदेशी चीजें आसानी से नहीं मिलतीं! तो इसका जवाब यह है कि अगर एक दिन में पांच लोग भी किसी दुकान पर स्वदेशी सामान की मांग करेंगे तो उसके उपलब्ध नहीं होने के बावजूद दुकानदार यह चाहेगा कि अब छठा ग्राहक उसके यहां से खाली हाथ न जाए। वह उस सामान के निर्माता से संपर्क करेगा। इसलिए स्वदेशी सामान की कम-से-कम मांग तो करें! भारत के कई गांव-शहर ऐसे हैं, जहां कभी हस्तनिर्मित जूतों, इत्र, कपड़ों, कलाकृतियों ... आदि का कारोबार खूब होता था। परिवार के परिवार इन काम-धंधों में लगे रहते थे। धीरे-धीरे मशीनीकरण हुआ, विदेशी कंपनियां आईं, जिन्होंने अपने ब्रांड का आक्रामक तरीके से प्रचार किया। इसका नतीजा यह हुआ कि स्वदेशी उद्योग पिछड़ते गए, दम तोड़ते गए। नई पीढ़ी दूसरी जगह जाकर नौकरियां ढूंढ़ने लगी। इस अनुभव से सबक लेते हुए स्थानीय कारोबारियों को चाहिए कि वे नई तकनीक अपनाने, नए बदलाव करने और अपने उत्पाद का प्रचार करने से पीछे न रहें। गुणवत्ता में हमेशा सुधार करते जाएं और ग्राहक के साथ रिश्ता मजबूत बनाकर रखें। अपने कारोबार से लोगों को रोजगार देना भी लक्ष्मी और भारत मां की पूजा है।

ट्वीटर टॉक

वादों से मुकरना कांग्रेस की आदत है। जनता सब समझती है। कांग्रेस ने फ्री बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्यान्न और किसान कर्ज माफी के नाम पर लोगों को सिर्फ़ धोखा ही दिया है। अब जनता कांग्रेस को चुनाव में वोट की चोट से सबक सिखाने को तैयार है।

–राजेन्द्र राठौड़

वरिष्ठ राजनेता तथा हमारे प्रेरणास्रोत श्रद्धेय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की मंगलकामना करता हूँ। आपका प्रेरक मार्गदर्शन हमें निरंतर मिलता रहे, ऐसी कामना है।

–ओम बिरला

कांग्रेस की गारंटी का झूठा, फरेबी और घिनौना सच इस खबर में देखिए। बिजली फ्री का वादा कर पहले छूट दे दी और अब बकाया निकाल वसूली की जा रही है। आमजन से मेरी अपील है कि इन धोखेबाज लोगों की गारंटी की बातों में मत आना।

–सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

सर्वप्रिय भक्त

श्रीराम ने राज्याभिषेक के बाद गुरुदेव वशिष्ठ के सान्निध्य में एक सभा का आयोजन किया, जिसमें अयोध्यावासी भी सम्मिलित हुए। यह संगोष्ठी धर्म और सदाचार की शिक्षा देने के लिए रखी गई थी, जिसमें मानव जन्म को सफल बनाने पर बल देते हुए सभी को धर्म और सदाचार का पालन करने की प्रेरणा दी गई। श्रीराम ने कहा, 'धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि मानव शरीर देवताओं के लिए भी दुर्लभ है। जो व्यक्ति प्रत्येक क्षण को सदकर्मों में नहीं लगाता, वह अंत में घोर दुख पाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'ज्ञान अगम है और उसकी प्राप्ति में अनेक बाधाएं आती हैं। भक्ति सरल स्वतंत्र है और सब सुखों की खान है। प्राणी संतों और सदपुरुषों के सत्संग से ही भक्ति की ओर उन्मुख होता है। अत: अहंकार त्यागकर विनयपूर्वक भगवान की भक्ति में रत होना चाहिए। इसके लिए यज्ञ, जप-तप और उपवास की भी आवश्यकता नहीं है। सरल, स्वभाव और मन में कुटिलता का त्याग करने वाला संतोषी व्यक्ति भक्ति के माध्यम से अपना जीवन सफल बना सकता है। जो फल की इच्छा किए बगैर कर्म करता है, जो मानहीन, पापहीन और क्रोधहीन है, जो मुक्ति को भी तृण के समान समझता है, वह परम अनूठा सुख प्राप्त करता है।

सामयिक

मध्य प्रदेश का चुनाव तय करेगा सिंधिया राजघराने का भविष्य

शाहिद नकवी

मध्य प्रदेश का विधान सभा चुनाव जरूर इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की अहमियत तय करेंगे लेकिन उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है ये चुनाव राजनेताओं के भविष्य के लिए। ये चुनाव अगर किसी राजनेता के भविष्य का फैसला करेगा तो वह भाजपा के ज्योतिरादित्य सिंधिया हैं। शिवराज सिंह चौहान अपने राजनीतिक जीवन में संघर्षों के बाद भरपूर सफलता पा लिए। वह ये भी जानते हैं कि हर कोई प्रधानमंत्री नहीं बन सकता है। यही बात दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर भी लागू होती है। दोनों नेता इस समय कांग्रेस के ताकतवर नेता हैं और हार के बाद भी आगे कुछ साल और रहेंगे।सत्ता सुख और संगठनात्मक सुख भी दोनों भरपूर मिल चुका है। रही बात परिवार की तो दोनों के अपने पुत्रों के लिए राजनीतिक जमीन तैयार कर चुके हैं।

मध्य प्रदेश कांग्रेस में हाल-फिलहाल ऐसा कोई नेता नहीं दिखाई देता जो इन दोनों लाड़लों के लिए चुनौती पेश कर सके। तो साफ है कि एमपी कांग्रेस का भविष्य भी इन नेता पुत्रों पर बहुत कुछ टिका है। विंध्य में स्व अर्जुन सिंह के पुत्र अजय सिंह राहुल पहले जरूर कुछ चुनौती पेश कर रहे थे, लेकिन उनकी चुनावी हारों ने उनको बहुत पीछे ढकेल दिया है। अपने क्षेत्र यानी कभी कांग्रेस के गढ़ रहे विंध्य में, जो कभी कांग्रेस के चाणक्य कहलाने वाले उनके पिता की भी कर्म भूमि रहा है में भी वह करिश्मा तो दूर सम्मानजनक सफलता भी नहीं दिला सके। राजनीतिक हलकों में तो कहा ये भी जाता है कि उनको स्थापित करने के लिए स्व अर्जुन सिंह ने कांग्रेस के कई जनाधार वाले नेताओं की घोर उपेक्षा भी की। जिसमें रीवा जिले की गुढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के निवर्तमान विधायक और वरिष्ठ नेता नागेंद्र सिंह का नाम प्रमुख है।

नागेंद्र सिंह अपने पूरे राजनीतिक जीवन में कभी विवादित नहीं रहे। कभी कोई ऐसा आरोप भी नहीं लगा जिससे विपक्षी उनको घेर सकें। वह कांग्रेस में थे तब भी उनका अपना खुद का जनाधार था, आज भाजपा में भी उनका अपना खासा जनाधार है और लोकप्रियता भी है। लेकिन उनको कई चुनाव में कांग्रेस से टिकट ही नहीं दिया गया। वह रीवा विधानसभा क्षेत्र को अपनी कर्मभूमि बनाना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस में उनको कभी

रीवा विधानसभा से टिकट नहीं दिया गया। जबकि उस समय नागेंद्र सिंह का रीवा में बहुत पकड़ थी, कांग्रेस यहां सफलता भी तलाश रही थी।तब भी नागेंद्र सिंह उपेक्षित ही रहे। गुढ़ से उनको टिकट कई विराम के बाद मिला भी तो वह आहत थे,इस लिए चुनाव लड़े ही नहीं। उनकी धर्मनिरपेक्षता पर भी कभी सवालिया निशान नहीं लगा।वह भाजपा में चुनावी राजनीति में बने रहने के लिए ही शामिल हुए थे। ये बात कही जा सकती है कि वह कांग्रेस में उपेक्षित थे, इस लिए भाजपा में शामिल हुए थे।

ये उनकी लोकप्रियता ही है कि चुनावी राजनीति से 2013 में ही संन्यास की घोषणा के बाद भी भाजपा उनको लगातार टिकट देकर गुढ़ के राजनीतिक समर में उतार रही है। बहरहाल ये तो अगले बात हो गई। असल मुद्दा ये चुनाव ज्योतिरादित्य सिंधिया के राजनितिक भविष्य का है। केंद्रीय राजनीति में होने के बाद भी विधानसभा चुनाव भला कैसे उनका भविष्य तय करेगा।दरअसल वह कांग्रेस में जिस कद के नेता थे, वह कद अभी उनका भाजपा में नहीं है।मध्य प्रदेश की राजनीति में सिंधिया राजघराने का दबदबा दशकों से रहा है।उनकी दादी स्व विजया राजे सिंधिया तो भाजपा की संस्थापक सदस्य के अलावा बहुत सालों तक पार्टी की आर्थिक धुरी भी थी।वैसे उन्होंने 1957 में कांग्रेस से अपनी राजनीतिक पारी शुरू की थी। वह गुना लोकसभा सीट से सांसद चुनी गईं। लेकिन कांग्रेस में 10 साल बिताने के बाद पार्टी से उनका मोहभंग हो गया। पिता स्व माधवराव सिंधिया तो केंद्र की राजनीति के अहम किरदार थे। उनकी एक बुआ यशोधरा राजे सिंधिया भी एमपी की भाजपाई राजनीति में जाना पहचाना चेहरा था,सनद रहे कि उन्होंने इस बार चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है।सो अब सिंधिया राजघराने की राजनितिक विरासत को उसी पायदान पर बनाए रखने के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया पर ही सारा दारोमदार है। इसीलिए 2023 के चुनाव में उनका पूरा ज़ोर ग्वालियर-ग्वालियर चंबल संभाग पर है।कहा जा रहा है कि बीजेपी में सिंधिया का भविष्य कैसा होगा, ये इस पर भी निर्भर करेगा कि इस बार के चुनाव में ग्वालियर-चंबल की 34 विधानसभा सीटों में से कितनी सीटें जीत पाते हैं। क्योंकि 2018 के विधानसभा चुनाव में ग्लावियर-चंबल संभाग की कुल 34 सीटों में से कांग्रेस को 26 सीटों पर जीत मिली थी।ये उल्लेखनीय है कि तब सिंधिया कांग्रेस के हाथ के साथ थे।वहीं जब 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कमलनाथ की सरकार गिराई तो 22 विधायकों ने कांग्रेस और विधायकी से इस्तीफ़ा दे दिया था।इसके बाद इन सीटों पर उप-चुनाव हुआ और 22 में से 16 लोग बीजेपी के टिकट से जीतने में कामयाब रहे थे। शायद इसी आधार पर इस बार भी बीजेपी ने सिंधिया के इन सभी 16 वफ़ादारों को टिकट दिया है।सिंधिया 22 में से उन लोगों को भी बीजेपी का टिकट दिलाने में कामयाब रहे, जिन्हें उपचुनाव में हार मिली थी। ग्वालियर चंबल सम्भाग की राजनीति पर नजर रखने वाले मानते हैं कि यहां किले की राह आसान नहीं है। ग्वालियर में रहने वाले तमाम आम लोग जो न बीजेपी समर्थक हैं और न कांग्रेस समर्थक हैं से बात करने पर वह साफ कहते हैं कि सिंधिया लालच में बीजेपी में गए लेकिन इससे उनका कद बड़ा नहीं हुआ है। सिंधिया से पहले ग्वालियर चंबल इलाक़े में जो बीजेपी का कुनबा था वो भी सिंधिया के आने से नाराज़ है और कई लोगों ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है।इस चुनाव में सिंधिया की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि बीजेपी में आने के बाद वह ग्वालियर चंबल में बीजेपी के पुराने समर्थकों और नेताओं को अपने साथ कैसे रखें। लोग ये भी कहते हैं कि ज्योतिरादित्य, सिंधिया परिवार की महिमा को आगे नहीं बढ़ा सकें हैं।

राजनीति में उनका वह रूतबा भी नहीं है जो कभी उनके पिता का था।वह क्षेत्र हर सभा में लोगों से सवाल करते हैं कि उन्होंने कमलनाथ सरकार गिरा कर गलत तो नहीं किया? क्यों कि जब सिंधिया ऐसा पूछते हैं तो लगता है कि उनमें इस बात लेकर कहीं न कहीं दुविधा है कि कांग्रेस छोड़ने के फ़ैसले से स्थानीय लोग नाराज़ तो नहीं हैं? वैसे ग्वालियर चंबल सम्भाग में अब तक सिंधिया राजपरिवार का दबदबा रहा है। माधवराव सिंधिया के कांग्रेस में जाने के बाद ग्वालियर उस समय चर्चा में आया था जब 1984 के आम चुनाव में उन्होंने बीजेपी के दिग्गज नेता अटल बिहारी वाजपेयी को हराया था। वह चुनाव चर्चा का विषय इसलिए बना था कि जनसंघ और बीजेपी का गढ़ माने जाने वाला ग्वालियर सिंधिया के गढ़ के रूप में सामने आया था। तभी से यह परंपरा चल रही है। माधवराव सिंधिया ने 1984 के बाद 1998 तक सभी चुनाव ग्वालियर से ही लड़े और जीते। 1996 में तो कांग्रेस से अलग होकर भी वह भारी बहुमत से जीते थे।

जबकि राजमाता गुना से लगातार बीजेपी प्रत्याशी के तौर पर जीतती रही। राजमाता की मौत के बाद माधवराव ने ग्वालियर छोड़कर गुना से चुनाव लड़ा था। वह कुल 9 बार संसद सदस्य चुने गये। उनकी विमान दुर्घटना में अकाल मौत के बाद उनके पुत्र ज्योतिरादित्य चुनाव मैदान में उतरे और रेकॉर्ड मतों के अंतर से जीते। वर्ष 2004 में भी उन्होंने इसी सीट से चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की लेकिन 2019 में वो अपनी इस सीट से भाजपा उम्मीदवार से चुनाव हार गए। लेकिन सिंधिया परिवार से आज तक कोई मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री नहीं बन सका।विजया राजे सिंधिया को पितम्बरा पीठ के मुख्य पुजारी पूज्यपाद स्वामी ने कोई सार्वजनिक पद लेने से मना कर दिया था।लेकिन माधवराव सिंधिया और ज्योतिरादित्य की इच्छा इस पद के लिए जोर-आजमाइश की।

हेल्थ

जीवनदायिनी हैं आयुर्वेद की जड़ी-बूटियां

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

आज दुनिया में भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का डंका बज रहा है। विश्व के सभी देशों में आयुर्वेद पहुंच गया है। आयुर्वेद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि समग्र स्वास्थ्य के बारे में बात करता है। आयुर्वेद दिवस हर साल धन्वंतरि जयंती के दिन मनाया जाता है। इस बार आयुष मंत्रालय ने अन्य मंत्रालयों के सहयोग से लगभग सौ से अधिक देशों में इस दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की योजना बनाई है। इस वर्ष आयुर्वेद का विषय एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद रखा गया है। भारत सरकार देश में 8वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस को एक महीने तक अभियान के रूप में मनाएगी। आयुर्वेद दिवस का मुख्य आयोजन 9-10 नवंबर 2023 को हरियाणा के पंचकुला में होगा। देशभर के किसान इस आयोजन में भाग लेंगे। इस अवसर पर किसानों को औषधीय पौधों की खेती के बारे में जानकारी दी जाएगी।

आयुर्वेद का जन्म लगभग पांच हजार वर्ष पहले भारत में हुआ था। इस औषधि का वर्णन करने वाले प्राचीन ग्रंथ 1500 ईसा पूर्व के हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी आयुर्वेद को एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्वीकार किया गया है। आयुर्वेद प्राचीन भारतीय प्राकृतिक और समग्र वैद्य-शास्त्र चिकित्सा पद्धति है। संस्कृत भाषा में आयुर्वेद का अर्थ है जीवन का विज्ञान। आयुर्वेद के अनुसार व्यक्ति के शरीर में वात, पित्त और कफ जैसे तीनों मूल तत्त्वों के संतुलन से कोई भी बीमारी नहीं हो सकती, परंतु यदि इनका संतुलन बिगड़ता है, तो बीमारी शरीर पर हावी होने लगती है। अंग्रेजी दवाएं रोग से लड़ने के लिए डिजाइन की जाती हैं, वहीं आयुर्वेदिक औषधियां रोग के विरुद्ध शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती हैं ताकि आपका शरीर खुद उस रोग से लड़ सके। आयुर्वेद के अनुसार कोई भी शारीरिक रोग शरीर की मानसिक स्थिति, त्रिदोष या धातुओं का संतुलन बिगड़ने के कारण होती है।

आयुर्वेद चिकित्सक मरीज की रोग प्रतिरोध क्षमता, जीवन शक्ति, पाचन शक्ति, दैनिक दिनचर्या, आहार संबंधी आदतों और यहां तक कि उसकी मानसिक स्थिति की जांच करके रोग निदान करते हैं। आयुर्वेद रोग को जड़ से खत्म करता है। चरक संहिता के अनुसार आयुर्वेद का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी के विकारों को खत्म करना है। आयुर्वेद का अर्थ ही है आयु को जानने का संपूर्ण विज्ञान। आयुर्वेद सिर्फ एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। हजारों हज़ार सालों से हम बीमारी के इलाज के लिए पेड़-पौधों या संजीवनी बूटी माने जाने वाले पौधों का इस्तेमाल करते आये है। आयुर्वेद में जड़ी-बूटियों को दवाई के रूप में इस्तेमाल करने का उल्लेख मिलता है। बहुत सी अंग्रेजी दवाइयों के साथ आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा जैसी पद्धतियों में औषधीय पौधों का बहुतायत से प्रयोग हो रहा है। भारत सरकार के ऑल इण्डिया को-ऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन एथ्नो-बायोलॉजी द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण में यह बताया गया है की लगभग 8 हजार पेड़-पौधे ऐसे हैं जिनका उपयोग औषधीय गुणों के लिए किया जाता है।

मंथन

सशक्त लोकतंत्र एवं योग्य प्रत्याशी हेतु मतदाता जागे

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, चुनावी सरगर्मियां एवं आक्रामकता बढ़ती जा रही है। उम्मीदवारों के चयन, चुनाव जीतने एवं सरकार बनाने को लेकर पूरी आक्रामकता है, लेकिन जनहित के मुद्दों पर गहरा सन्नाटा पसरा है। इन चुनावों में सबसे बड़ी विडम्बना जो हर बार की तरह इस बार भी देखने को मिल रहा है, वह है इन चुनावों का मुद्दाविहीन होना और दलबदल की स्थितियों का बढ़चढ़ कर सामने आना। राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम एवं तेलेगाना में अब मतदाताओं के हाथ में राजनीतिक दलों और नेताओं के भाग्य की कुंजी आ गई है। इन चुनावों में भी हर बार की तरह इस बार भी जातिवादी जुनून, सांप्रदायिक कट्टरता और मतदाता को लुभाने-भरमाने की कोशिशें लोकतन्त्र की जड़ों को कमजोर कर रही है। लेकिन मौजूदा समय में धनबल और बाहुबल चुनावों में हावी होता जा रहा है, राजनीति कभी सेवा का जरिया हुआ करती थी किन्तु आज व्यवसाय बनती जा रही है, यह चिंता का विषय है और इससे लोकतंत्र की जडे़ कमजोर हो रही है।

आजादी के अमृतकाल का यह पहला चुनाव है, चुनाव लोकतान्त्रिक प्रणाली के आधार होते हैं। इसी लोकतंत्र के महाकुंभ में लोककल्याण की योजनाओं की चर्चा होती है। राजनैतिक दलों ने चुनावों के अवसर पर लोक कल्याणकारी नीतियां जनता के सामने रखने का प्रचलन शुरू किया जिसे घोषणापत्र कहा गया। हर चुनाव की अलग परिस्थितियां होती हैं अत: घोषणापत्र भी हर बार नये प्रस्तुत किये जाते हैं। लेकिन विडम्बना यह है कि इन घोषणा-पत्रों एवं विजीत दल की सरकार बन जाने के बाद उसकी नीतियों एवं योजनाओं में काफी अन्तर आ जाता है। अत: मतदाता चुनाव के समय जागरूक होकर मतदान करे ताकि उनके साथ किये जाने वाले वायदे यथासंभव पूरे हो। इन पांच राज्यों के चुनावों में मतदाता को दोहरी भूमिका निभानी होगी- घर के मालिक की भी और घर के पहरेदार की भी। मालिक के नाते उसका कर्तव्य होगा कि वह जनता के हितों के ठेकेदार कहलाने वालों को ठोक बजाकर देखे-परखे। और घर के पहरेदार के नाते उसका कर्तव्य बनता है कि वह सिर्फ जागे ही नहीं बल्कि सतत

सावधान भी रहे। इसी जागरूकता और सावधानी का तकाजा है कि वह सत्ता में बैठने के इच्छुक लोगों की कथनी-करनी को विवेक के तराजू पर तोले। चूंकि उसे ही सबसे अधिक खोना और सबसे अधिक पाना है, इसलिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी उसी की है। इस जिम्मेदारी को मतदाता वैयक्तिक स्तर पर भी निभाएं- अपने आप से यह पूछकर कि उसके वोट देने का आधार क्या होगा। पहला निर्णय तो मतदाता को यह करना होगा कि उसे वोट देना ही है। फिर यह तय करना होगा कि वह गलत' के पक्ष में वोट नहीं देगा। जब प्रत्येक मतदाता अपने वोट का प्रयोग बहुत सोच-समझकर करेगा तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और तभी सशक्त भारत का निर्माण हो सकेगा। राष्ट्र को समग्र दृष्टि से सशक्त एवं विकसित करना, बढ़ती आबादी की बढ़ती मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति करना किसी भी लोकतन्त्र में चुनी गई सरकारों का मूल दायित्व होता है। ये चुनी हुई सरकारें जनता की मालिक नहीं होती बल्कि उसकी नौकर होती हैं क्योंकि जनता इन्हें केवल पांच साल के लिए ही देश की व्यवस्था चलाने एवं देश की विकास योजनाओं को आकार देने की जिम्मेदारी सौंपती है। इस दौरान चुनी हुई सरकारें अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों को चला कर जनता के प्रति मिले दायित्व को पूरा करने का प्रयास करती है। लोकतन्त्र की बहुराजनैतिक प्रणाली में कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती है, यह भी इस व्यवस्था की खूबसूरती एवं मौलिकता होती है। इसके चलते ही हमने केन्द्र से लेकर विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों की सरकारें देखी हैं। प्रत्येक राजनैतिक दल के अपने कुछ मूलभूत सिद्धान्त होते हैं जिनके तहत वे सत्ता में आने पर लोक कल्याणकारी कदम उठाने का दावा करते हैं। ऐसा ही एक लोककल्याणकारी कदम था भारत में प्रत्येक व्यक्ति को दोनों वक्त भोजन करने का अधिकार देना। भले ही यह कदम डॉ. मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार ने उठाया, लेकिन इसकी प्रभावी क्रियान्विति 2020 में देश में कोरोना संक्रमण काल के समय मोदी सरकार ने की। तब लगभग 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह पांच किलो मुफ्त राशन देने की व्यवस्था की गई। अब इस योजना को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने पांच साल और आगे जारी रखने का फैसला किया है। इसका मतलब यह हुआ कि लोक कल्याणकारी नीतियां बनाना हर सरकार का प्राथमिक दायित्व होता है। मोदी सरकार ने ऐसी अनेक लोक कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है। प्रांतों में राजस्थान में अशोक गहलोत ने तो मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह सरकार ने भी ऐसी अनेक लोककल्याणकारी योजनाएं चुनाव सन्निकट आते देखकर शुरु की है, जिन्हें हम लोककल्याण से अधिक मुफ्त की रेवडियां कह सकते हैं।

राजनीतिक दल अपने-अपने ढंग से चुनावों की तैयारियों में जुटे हैं। गठबंधनों की बातें ही नहीं हो रही, गठबंधनों की रणनीतियां तैयार होने लगी। दलबदल हो रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल समीकरण बनाने-बिठाने की जोड़तोड़ में जुट गये हैं। कुछ राष्ट्रीय दलों में घमासान मचा हुआ है, तो कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिये ये चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न बने हुए हैं। इन स्थितियों के बीच मतदाता को भी जागरूक होना है। आने वाले चुनाव में मतदाता इतने सशक्त रूप में अपनी भूमिका को प्रस्तुत करें कि राजनीतिक दल चुनाव के बाद उसकी अनदेखी करने का दुस्साहस न कर सके। यहां तक कि मतदाता को लुभाने की कोशिशें और उसे भरमाने के प्रयासों से भी राजनैतिक दल उपरत हों, यही वर्तमान की सबसे बड़ी अपेक्षा और एक सशक्त संदेश है। राजा और प्रजा, शासक और शासित की यह व्यवस्था सदैव रही है और सदैव रहेगी। पद्धतियां बदलती रहती हैं। पहले राजा रानी के पेट से पैदा होता था और अब 'मत पेटी' से पैदा होता है। इसीलिये जनतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है। यह राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिम्ब है। जनतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के लिए चुनाव की स्वस्थता और उसमें आम मतदाता की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। राजनीतिक दलों से पहले मतदाता को जागना होगा।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पोस्टर लॉन्च

हैदराबाद में बुधवार को 'चीचा का ऑस्ट्रेलिया टूर' के पोस्टर लॉन्च के मौके पर गायक राहुल सिप्लिगुंज, वासवी ग्रुप के कुशलव और अन्य।

गौतम अडाणी ने की वियतनाम के दिग्गज उद्योगपति से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उद्योगपति गौतम अडाणी ने बुधवार को वियतनाम के जाने-माने उद्योगपति फाम न्हात वुंग से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब विभिन्न कारोबार से जुड़ा समूह दक्षिण पूर्व एशियाई देश में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना चाहता है। अडाणी ने रियल एस्टेट, खुदरा और स्वास्थ्य देखभाल सहित अन्य क्षेत्रों में रुचि रखने वाले वियतनाम के सबसे बड़े समूह विन ग्रुप के प्रमुख से अहमदाबाद में अपने कार्यालय में मुलाकात की। अडाणी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, विन ग्रुप के चेयरमैन फाम न्हात वुंग से मिलना और भारत और वियतनाम के बीच संभावित अवसरों के बारे में चर्चा काफी सुखद रहा। अडाणी समूह पहले ही वियतनाम में दो नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश कर चुका है। ये परियोजनाएं निन्ह थुआन प्रांत के थुआन जिले में 27.3 मेगावाट क्षमता वाली पवन ऊर्जा परियोजना और निन्ह थुआन प्रांत में 50 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना है। उन्होंने लिखा है, वास्तव में इस दूरदर्शी उद्योगपति की उद्यमिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा से प्रेरणा मिली है। तुंरत तैयार होने वाले नूडल कारोबार से लेकर हरित परिवहन की ओर वैश्विक बदलाव के लिये इलेक्ट्रिक वाहन और अत्याधुनिक बैटरी समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला के उत्पादन का नेतृत्व उन्होंने किया। सभी कुछ रिकॉर्ड समय में हासिल किया गया। अडाणी समूह ने पहले अगले कुछ साल में वियतनाम में परियोजनाओं में 10 अरब डालर का निवेश करने के अपने इरादे की घोषणा की थी। समूह के एजेंडा में दनांग में लियन चिऊ पोर्ट परियोजना सहित अन्य परियोजनाएं हैं।

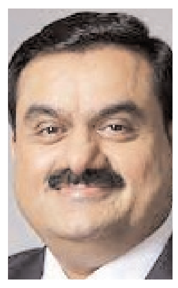

अंतरिक्ष पर्यटन में उछाल से अंतरिक्ष कबाड़ और जलवायु उत्सर्जन की मात्रा बढ़ने का खतरा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रीडिंग। वाणिज्यिक कंपनियां अंतरिक्ष यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में ले जाने और कक्षा में अन्य गतिविधियों में तेजी से शामिल हो रही हैं। कुछ, जैसे कि ह्यूस्टन स्थित एक्सिओम स्पेस, अब कक्षा में अपने स्वयं के अंतरिक्ष स्टेशन बनाना चाहते हैं, जहां वाणिज्यिक अंतरिक्ष यात्री विस्तारित प्रवास कर सकें। इससे पृथ्वी की निचली कक्षा में विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए अधिक धन और अवसर भी मिल सकते हैं। लेकिन यह कई सुरक्षा चिंताओं को भी जन्म देता है, क्योंकि यह अंतरिक्ष कबाड़ के पहले से ही परेशान करने वाले मुद्दे को और बढ़ा देगा। पर्यावरण पर भी इसके निहितार्थ हैं, क्योंकि रॉकेट ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन उत्पन्न करते हैं जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करते हैं। एक्सिओम, जिसकी स्थापना 2016 में हुई थी, आईएसएस के लिए निजी तौर पर वित्त पोषित मिशन संचालित करने वाली पहली कंपनी थी। एक्सिओम के स्पेस एक्सेस प्रोग्राम के तहत, यह विभिन्न देशों को स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर कक्षा में अनुकूलित मिशन डिजाइन करने का अवसर प्रदान कर रहा है। जैसे, इसने हाल ही में आईएसएस के लिए एक अखिल-ब्रिटेन अंतरिक्ष यात्री मिशन के लिए यूके अंतरिक्ष एजेंसी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। नासा अपने अंतरिक्ष मिशनों को पूरा करने के लिए निजी कंपनियों के साथ तेजी से साझेदारी कर रहा है। हालाँकि, आईएसएस के लिए कई पर्यटक मिशनों को उड़ाने के लिए एक्सिओम के साथ की गई पहल अंतरिक्ष के एक नए प्रकार के व्यावसायीकरण का प्रतीक है।

एक्सिओम का नियोजित वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन सबसे पहले आईएसएस के अतिरिक्त हिस्से के रूप में बनाया जाएगा। फिर इसे अलग कर दिया जाएगा ताकि यह स्वतंत्र हो जाए। अंतरिक्ष पर्यटन इसके बिजनेस मॉडल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक्सिओम अपने लक्ष्य में अकेला नहीं है। जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन, एयरोस्पेस दिग्गज नॉर्थोप ग्रुमैन, और नैनोरैक्स और सिएरा स्पेस जैसी छोटी कंपनियां सभी अपने स्वयं के अंतरिक्ष स्टेशन डिजाइन विकसित कर रही हैं। इनका लक्ष्य अगले दशक के भीतर पृथ्वी की निचली कक्षा में संचालन करना है। ब्लू ओरिजिन, नॉर्थोप ग्रुमैन और नैनोरैक्स को अपने अंतरिक्ष स्टेशन अवधारणाओं को विकसित करने के लिए एजेंसी की लो अर्थ इकोनॉमी रणनीति के तहत नासा द्वारा 41 करोड़ 50 लाख अमरीकी डालर (: 335 मिलियन) दिए गए हैं। वास्तव में, नासा की रणनीति निजी कंपनियों को वाणिज्यिक धन लाने में सक्षम बनाने के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग करती है। यह निजी निवेश तब पृथ्वी की निचली कक्षा में विज्ञान और संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा प्रदान करने में मदद करता है।

मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजने का वैज्ञानिक मामला ऐतिहासिक रूप से बहुत कमजोर रहा है - हालांकि अस्तित्वहीन नहीं है। आधुनिक रोबोटिक्स और रिमोट-कंट्रोल प्रणालियाँ अब इतनी अच्छी हैं कि मामला पहले की तुलना में आज और भी कमज़ोर हो गया है। अधिकांश वैज्ञानिकों के लिए, मानव अंतरिक्ष मिशन राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जुड़ी व्यर्थ परियोजनाएँ हैं।

इमरान की पार्टी के 60 से अधिक कार्यकर्ता सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के मामले में लाहौर में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 60 से अधिक कार्यकर्ताओं को सैन्य प्रतिष्ठानों पर नौ मई के हमले के मामले में लाहौर में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पीटीआई की ओर से इस कार्रवाई को 'अवैध फासीवादी कदम' करार दिया गया है। पाकिस्तान में आठ फरवरी,2024 को आम चुनाव कराने की घोषणा के बाद पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ देशभर में पुलिस कार्रवाई तेज हो गई है। नौ मई और इसके तुरंत बाद पहले ही कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पीटीआई के मुताबिक, कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद सैन्य और राज्य सरकार के प्रतिष्ठानों पर हुए हमले के संबंध में उसके 10 हजार नेता और कार्यकर्ता मई की शुरुआत से जेल में हैं। पुलिस के एक बयान में बुधवार को कहा, पुलिस ने नौ मई को लाहौर स्थित कोर कमांडर हाउस पर हमले और एक प्लाजा (कथित तौर पर पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के बेटे के स्वामित्व वाला) को जलाने समेत शहर के विभिन्न हिस्सों में हिंसा में शामिल 62 पीटीआई कार्यकर्ताओं को मंगलवार को गिरफ्तार किया। इसमें कहा गया है कि सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों में शामिल उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है जो गिरफ्तारी से बच गए थे। पुलिस के बड़े दल ने पीटीआई अध्यक्ष चौधरी परवेज इलाही के रिश्तेदार और पूर्व विधायक मेजर (आर) ताहिर सादिक को गिरफ्तार करने के लिए उनके आवास पर भी छापा मारा। इलाही पहले से ही जेल में हैं। पीटीआई के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मूनिस इलाही ने कहा कि पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ पंजाब पुलिस की क्रूरता चरम पर है और वह महिलाओं को भी नहीं बख्श रही। पुलिस ने पीटीआई के 10,000 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया और 100 से अधिक पर सेना अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जा रहा है।

चिनफिंग ने देशों से एआई की चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होने की अपील की

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बुधवार को कहा कि देशों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े संभावित खतरों और चुनौतियों का सामना मिलकर करना चाहिए। चिनफिंग की यह टिप्पणी चीन द्वारा इंटरनेट पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कड़ाई से नियंत्रित करने के बीच आई है। इसके साथ ही, चीन ने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के निरंकुश एजेंडे के प्रचार करने के लिए इंटरनेट के आर्थिक लाभों और सोशल मीडिया का अधिकतम इस्तेमाल किया। चीन के पूर्वी शहर वुझेप में आयोजित विश्व इंटरनेट शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में चिनफिंग के पूर्व रिकॉर्ड किए भाषण को प्रसारित किया गया। चिनफिंग ने विवाद के बजाय साइबर जगत में समान सुरक्षा का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चीन एआई के विकास से उत्पन्न खतरों का मुकाबला करने के लिए अन्य देशों के साथ काम करेगा एवं 'साइबर जगत में आधिपत्य' को लेकर आपत्ति जताई।

तिरुवनंतपुरम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर, सांसद और इंटक नेता चन्द्रशेखरन बुधवार को तिरुवनंतपुरम में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राज्य सचिवालय के सामने धरना दे रहे कर्मचारियों को संबोधित करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए।

मनोज बाजपेयी की 'जोरम' आठ दिसंबर को रिलीज होगी

मुंबई/भाषा

मनोज बाजपेयी अभिनीत थ्रिलर ड्रामा 'जोरम' आठ दिसंबर को रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। देवाशीष मखीजा ने फिल्म की पटकथा लिखी और इसका निर्देशन भी किया है। 'जोरम', बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल रॉटरडैम और जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में धूम मचाने के बाद बड़े पर्दे पर प्रदर्शित हो रही है। फिल्म में बाजपेयी एक पिता की भूमिका में नजर आएंगे। बाजपेयी के अलावा फिल्म में मोहम्मद जीशान अय्यूब, राजश्री देशपांडे, तनिष्ठा चटर्जी और स्मिता तांबे भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। 'जी स्टूडियोज' और 'मखीजा फिल्म' के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्माण शारिक पटेल, आशिमा अवस्थी चौधरी, अनुपमा बोस और मखीजा द्वारा किया गया है।

रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी में लगा सितारों का जमावड़ा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता और टिप्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी में बॉलीवुड हस्तियों ने शिरकत की। पार्टी में सलमान खान, कैटरीना कैफ, रितेश और जेनेलिया देशमुख, गोविंदा के साथ कई कलाकार नजर आए। सलमान अपने सिग्नेचर स्वैग में नजर आए और उन्होंने मस्टर्ड येलो शर्ट और मैचिंग डेनिम रिप्ड जींस पहनकर पार्टी में एंट्री की। उन्होंने अपने लुक को ब्लैक बूटस से पूरा किया। कैटरीना बहुरंगी लहंगे में खूबसूरत लग रही थीं और इसके साथ भूरे रंग का फुल स्लीव्स ब्लाउज और दुपट्टा था। उन्होंने अपने बाल खुले रखे और चमकीले झुमके पहने। कैटरीना ने मिनिमल मेकअप, न्यूड लिप्स और बिंदी से लुक को पूरा किया। रितेश और जेनेलिया सफेद पहनावे में नजर आए।

गोविंदा अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ पार्टी की शोभा बढ़ाते नजर आए। पूरा परिवार काले एथनिक परिधान पहने हुए था। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन का रीयूनियन भी हुआ। पपराजी द्वारा क्लिक किए जाने के दौरान दोनों ने अपना ब्रोमांस दिखाया। एथनिक परिधान में दोनों बेहद आकर्षक लग रहे थे। पार्टी में जैकी श्रॉफ व्हाइट आउटफिट में हाथों में पौधा लिए नजर आए। पार्टी में कुणाल खेमू और सोहा अली खान, फिल्म निर्माता डेविड धवन, नुसरत भरूचा, इब्राहिम अली खान, पूजा हेगड़े, राज कुंद्रा और करिश्मा तन्ना भी मौजूद थे।

भूलने की आदत से परेशान पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी ने हाल ही में एक बड़ी घोषणा करने के बारे में अपने इंस्टाग्राम पर लाइव चैट की। लेकिन एक्टर भूल गए कि वह सोशल मीडिया पर लाइव क्यों आए थे। एक्टर पूरी तरह से भूल गए कि वह क्या कहने जा रहे थे, और वह खुद पर हंसने लगते हैं। पंकज त्रिपाठी के मुताबिक ये उनके साथ अक्सर होता है। अपने प्रशंसकों से बात करते हुए, 'मिर्जापुर' फेम एक्टर, सभी को नमस्कार, मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं और मुझे याद नहीं है कि मैं आज लाइव क्यों आया हूं।

यह मेरी लगातार आदत है, जो लोग मुझे जानते हैं वे मेरी ओर से गवाही दे सकते हैं (हंसते हुए)। एक फैन की तारीफ पर कमेंट करते हुए, जिसने कहा कि वह चंडीगढ़ से है, पंकज ने कहा, बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं पहले भी आपके शहर में आ चुका हूं और यह बेहद खूबसूरत है और सर्दियों में वास्तव में अच्छा लगता है। लेकिन अब मैं लाइव आने का अपना उद्देश्य भूल गया हूं, मैं अक्सर भूल जाता हूं।

अपनी भूलने की बीमारी पर हंसते हुए, अभिनेता ने कहा, मेरा मतलब है कि यह वास्तव में कुछ है, आप लाइव आते हैं और फिर भूल जाते हैं। ख़ैर, कोई बात नहीं, (हंसते हुए) मुझे इस बात का बहुत अफसोस है। जब भी मुझे याद आएगा, मैं तुरंत लाइव आऊंगा या सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दूंगा। तब तक कृपया मुझे अपना प्यार देते रहें। एक बार याद आने पर मैं सोचता हूं कि मैं तुरंत पोस्ट करूंगा कि मुझे सचमुच याद आ गया है कि मैं क्या कहने जा रहा था। आप सभी को धन्यवाद। अपनी फिल्मों 'ओह माई गॉड 2' और 'फुकरे 3' की सफलता के बाद, पंकज त्रिपाठी आगामी फिल्म 'मैं अटल हूं' में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

टाइगर 3: 24 घंटे और सातों दिन चलेंगे शो, दिल्ली और मिडिल ईस्ट में पहली बार होगा ऐसा

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान की फिल्म 'टाइगर 3' को लेकर फैंस के बीच काफी एक्साइटमेंट है। हाल ही में 'टाइगर 3' की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई। अब तक फिल्म करोड़ों की कमाई कर चुकी है। इस साल दिवाली से ज्यादा फैंस टाइगर का इंतजार में है। शाहरुख खान की 'पठान' और 'जवान' के बाद सलमान खान की मेगाबजट फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। फिल्म को रिलीज होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं। इसी बीच अब खबर आ रही है कि इसके शोज सिनेमाघरों में 247 चलने के लिए तैयार हैं।

इस स्पाई यूनिवर्स फिल्म की भारी डिमांड के बाद नई दिल्ली और मिडिल ईस्ट के सिनेमाघर 24 घंटे फिल्म चलाने वाले पहले सिनेमाघर बन गए हैं। रिंग रोड में 'सिनेस्टार मिनीप्लेक्स' ने नए साल के बड़े दिन, जो लक्ष्मी पूजा (दिवाली) के बाद पड़ता है, की सुबह 2 बजे से सलमान खान और कैटरीना कैफ स्टारर फिल्म की स्क्रीनिंग शुरू करने का फैसला किया है! हालांकि, मिडिल ईस्ट में मिर्डिफ, दुबई में वॉक्स सिनेमा जैसे थिएटर 12.05 बजे फिल्म चलाएंगे और नखील मॉल, रियाद, सऊदी अरब में 2 बजे से टाइगर 3 चलाई जाएगी। क्योंकि इन क्षेत्रों में दिवाली का कोई प्रभाव नहीं है! एक सूत्र ने खुलासा किया कि हम 13 नवंबर से देशभर के ज्यादातर सिनेमाघरों को 257 का मॉडल फॉलो करते देखेंगे। देशभर के तमाम एग्जिबिटर्स की ओर से यह डिमांड आ रही है। क्योंकि फिल्म को लेकर बहुत अधिक बज बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक 'यह बिजनेस और इंडस्ट्री के लिए बहुत अच्छा है क्योंकि लोग अच्छा सिनेमा देखना चाहते हैं और टाइगर 3 इस साल की एक धमाकेदार रिलीज़ है।' मंगलवार रात 8 बजे तक इस फिल्म के कुल 2 लाख 66 हजार 995 टिकट बिक चुके हैं। भले ही सलमान खान की फिल्म 'टाइगर-3' ने एडवांस बुकिंग में अबतक शानदार कमाई की हो। लेकिन अब भी ये फिल्म शाहरुख खान की 'जवान' और 'पठान', सनी देओल की 'गदर-2' और प्रभास की 'आदिपुरुष' से पीछे है। 'टाइगर-3' को रिलीज होने में 4 दिन बाकी है।

'टाइगर 3' इस रविवार,12 नवंबर को सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज हो रही है। एक था टाइगर, यशराज स्पाई यूनिवर्स की पहली फिल्म थी। इसने 198.78 करोड़ रुपए का लाइफ टाइम कलेक्शन किया था। इसके सीक्वल 'टाइगर जिंदा है' ने 339.16 करोड़ रुपए की ब्लॉकबस्टर कमाई की थी। अब देखना दिलचस्प होगा कि टाइगर-3 बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्श करती है।

आधी अधूरी बनी 'द लेडी किलर' के प्रदर्शन पर बोले निर्देशक अजय बहल

मुंबई/एजेन्सी

पछले सप्ताह बॉक्स ऑफिस पर अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर की एक ऐसी फिल्म- द लेडी किलर- का प्रदर्शन हुआ, जिसकी अभी शूटिंग बाकी थी, साथ ही उसकी एडिटिंग भी पैचवर्क पूरा हुए बिना कर दी गई। यह किसी छोटे निर्माता की फिल्म नहीं है, इस फिल्म का निर्माण टी सीरीज के भूषण कुमार ने किया है। बिना किसी प्रचार-प्रसार के सिनेमाघरों में उतारी गई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हो गई। प्रदर्शन के दिन से इसे एक-दो स्क्रीन्स पर एक-दो शो में ही चलाया जा रहा है। ट्रेलर के बाद इसे अचानक रिलीज कर दिया गया। अब 'द लेडी किलर' के डायरेक्टर अजय बहल ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कन्फर्म किया है कि फिल्म पूरी नहीं हुई और उससे पहले ही यह सिनेमाघरों में आ गई है। फिल्म का बजट करीब 45 करोड़ है। ऐसी रिपोर्ट थी कि बजट को लेकर फिल्म के बनने में देरी हुई। एक यूट्यूबर ने फिल्म का रिव्यू करते हुए इसे अधूरा बताया। जिसके बाद अजय बहल ने कमेंट सेक्शन में लिखकर पूरी बात बताई। उन्होंने लिखा, 'कन्फर्म करता हूं, हां यह फिल्म अधूरी है। 117 पेज की स्क्रिप्ट में 30 पेज कभी शूट ही नहीं हुए। बड़ी संख्या में कनेक्टिंग सीन, अर्जुन और भूमि का रोमांस, भूमि को शराब की लत, अर्जुन के फंसने, सबकुछ खोलने और शहर से भागने का सेंस, ये सब गायब है।'

उन्होंने निर्माताओं के साथ अनबन की अफवाहों को लेकर लिखा, 'चल रही अफवाहों के बारे में कहना है, डायरेक्टर के रूप में द लेडी किलर की शूटिंग करना दर्दनाक अनुभव था लेकिन यह एक्टर्स की वजह से बिल्कुल भी नहीं थ। अर्जुन और भूमि के साथ काम करके खुशी हुई। उन्होंने फिल्म के लिए पूरी मेहनत की। समस्या कहीं और है लेकिन वह एक अलग कहानी है।' फिल्म के निर्माता और भूषण कुमार की टी-सीरीज ने बिना शूटिंग शेड्यूल के पूरा किए फिल्म को रिलीज कर दिया। इसे उत्तराखंड में आउटडोर शूट किया जाना था लेकिन वहां लगातार बारिश होने के कारण निर्माता ऐसा नहीं कर सके। बिना पैचवर्क शूट किए इसे एडिट किया गया।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

मनुष्य के चरित्र निर्माण में संगति का बहुत प्रभाव पड़ता है। हमारे शास्त्रों में सत्संगति को बहुत महत्व दिया गया है। सत्संगति का अर्थ सच्चरित्र व्यक्तियों के संपर्क में रहना, उनसे संबंध बनाना है। सच्चरित्र व्यक्तियों की संगति से साधारण व्यक्ति भी महत्वपूर्ण बन जाता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में ही जन्म लेता है और अंत तक रहता है। अपने परिवार, संबंधियों और आस-पड़ोस वालों और अपने कार्यस्थल में वह कई प्रकार के स्वभाव वाले व्यक्तियों के संपर्क में आता है। निरंतर संपर्क के कारण एक-दूसरे का प्रभाव एक-दूसरे के विचारों और व्यवहार पर पड़ते रहना स्वाभाविक है।

जरूरतमंदों को बुनियादी वस्तुओं का दान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के वेपेरी स्थित गुरु श्री शांतिविजय विद्यालय में करुणा क्लब के तत्वाधान में विद्यार्थियों ने दीपावली के अवसर पर अरुणोदयम चैरिटेबल ट्रस्ट कोलातुर को बुनियादी जरूरत की वस्तुएँ को दान दी। यहाँ पर मानसिक बीमारी से ग्रसित व शारीरिक रूप से लाचार बच्चों को मिलकर विद्यार्थियों ने अपने जीवन और दान के महत्व को समझा। विद्यालय की ओर से इन बच्चों के लिए आवश्यक मानवीय सामग्री, खिलौने, किताबें और खाने-पीने की वस्तुएँ, फल आदि प्रदान किए गए। हमारा मुख्य उद्देश्य दीपावली के इस अवसर पर अनाथ बच्चों के जीवन में खुशियों का छोटा-सा हिस्सा लाना था,साथ ही एक सकारात्मक परिवर्तन का हिस्सा बनने का प्रयास रहा, जिससे आने वाली पीढ़ी समाज में जरूरतमंदों की सहायता करने में दृढ़ रहे। श्रीमती मोनिका जैन और डॉ. जी. रेखा ने बताया कि इस तरह की क्रियाओं द्वारा बचपन से ही बच्चों में दान की भावना का बीज बोना बहुत ज़रूरी है ताकि वह अपने और दूसरों के जीवन के महत्व को समझें। विद्यालय के संवाददाता व सचिव डॉ. ज्ञान जैन व प्राचार्या उमा माहेश्वरी का धन्यवाद किया गया।

संगति का जीवन में बड़ा गहरा प्रभाव पड़ता है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य के चरित्र निर्माण में संगति का बहुत प्रभाव पड़ता है। हमारे शास्त्रों में सत्संगति को बहुत महत्व दिया गया है। सत्संगति का अर्थ सच्चरित्र व्यक्तियों के संपर्क में रहना, उनसे संबंध बनाना है। सच्चरित्र व्यक्तियों की संगति से साधारण व्यक्ति भी महत्वपूर्ण बन जाता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में ही जन्म लेता है और अंत तक रहता है। अपने परिवार, संबंधियों और आस-पड़ोस वालों और अपने कार्यस्थल में वह कई प्रकार के स्वभाव वाले व्यक्तियों के संपर्क में आता है। निरंतर संपर्क के कारण एक-दूसरे का प्रभाव एक-दूसरे के विचारों और व्यवहार पर पड़ते रहना स्वाभाविक है। बुरे व्यक्तियों के संपर्क में हम पर बुरे संस्कार पड़ते हैं और अच्छे लोगों के संपर्क में आकर हममें गुणों का समावेश होता चला जाता है। धीरे-धीरे आयु बढ़ने के साथ मनुष्य जीवन का अर्थ समझने का प्रयास करता है और उसकी संगति के अनुसार ही जीवन के प्रति उसका दृष्टिकोण बनता है। सत्संगति मनुष्य को उच्च विचारों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है और उसके चरित्र बल को बढ़ाती है, जबकि कुसंगति में मनुष्य के चरित्र में निरंतर गिरावट आती है और मनुष्य सही मार्ग से भटककर स्वयं अपना जीवन तबाह कर लेता है।

सत्संगति का अर्थ है अच्छे लोगों की संगति, गुणी व्यक्तियों का साथ। अच्छे मनुष्य का अर्थ है वह व्यक्ति जिनका आचरण अच्छा है, जो सदा श्रेष्ठ गुणों को धारण करते और अपने संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के प्रति अच्छा बर्ताव करते हैं। जो सत्य का पालन करते हैं, परोपकारी हैं, अच्छे चरित्र के सारे गुण उसमें विद्यमान हैं, जो निष्कपट एवं दयावान हैं, जिनका व्यवहार सदा सभी के साथ अच्छा रहता है। ऐसे अच्छे व्यक्तियों के साथ रहना, उनकी बातें सुनना, उनकी पुस्तकों को पढ़ना, ऐसे सच्चरित्र व्यक्तियों की जीवनी पढ़ना और उनकी अच्छाइयों की चर्चा करना सत्संगति के ही अंतर्गत आते हैं। दुष्ट स्वभाव के मनुष्यों के साथ रहना कुसंगति है। कुसंगति छूत की एक भयंकर बीमारी के समान है। कुसंगति का विष धीरे-धीरे मनुष्य के संपूर्ण गुणों को मार डालता है। इसके चक्कर में यदि कोई चतुर से चतुर व्यक्ति भी फंस जाता है तो उससे बच कर साफ निकल जाना उसके लिए भी संभव नहीं होता। इसी प्रकार की कुसंगति से बचना हमारा परम कर्तव्य है।

दीपावली पर बच्चों ने ली पर्यावरण की रक्षा की ली शपथ, बांटे गए नए कपड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां उधवुम नन्बरगल स्कूल में महावीर जैन ग्रुप संयुक्त मारवाड़ी युवा मंच महिला विभाग द्वारा स्कूल के प्रमुख शिक्षिका किरुबाई के साथ स्कूल के विद्यार्थियों को पटाखे के प्रयोग से हो रही जीव हिंसा और पर्यावरण के नुकसान के बारे में समझाते हुए उन्हें दीपावली के मौके पर पटाखों से परहेज करने की शपथ दिलवाई। समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता विजयराज, पुष्पा कटारिया उपस्थित थे। महिला ग्रुप की अध्यक्ष निर्मला वसंत छल्लानी ने बताया 390 बच्चों ने शपथ ली। सभी को नए कपड़े दिए गए। अणुव्रत समिति द्वारा आश्रम के 30 बच्चों को स्टील की बोतल भेंट की गई। इस मौके पर स्कूल के ट्रस्टी पार्थसारथी ने सभी का स्वागत किया। अरविन्द चोरड़िया, भुवनेश्वरी का सहयोग रहा।

साधना का श्रेष्ठ आलंबन परिषह है : आचार्य उदयप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

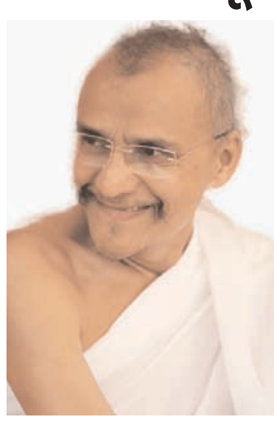

चेन्नई। यहां किलपॉक जैन संघ में विराजित योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी म.सा. ने प्रवचन में परिषह अध्ययन का विश्लेषण करते हुए कहा कि जो आत्मा विनय गुण को दृढ़ बनाता है, वह परिषह कर सकता है। परिषह सहन करने के लिए आत्मबल की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा विचार ज्यादा उसे ही आता है, जिसे स्वीकारभाव नहीं होते। विनय करने से धृतिबल और संघयनबल मिलते हैं, तब परिषह सहन करने का सामर्थ्य मिलता है। धृतिबल का मतलब है मन का धैर्य, मन की शुद्धि, मन की पूर्णता। परिषह रोज़ का अंश है जबकि उपसर्ग रोज़ का अंश नहीं है। परिषह के लिए उपसर्ग सहन करने का अभ्यास जरूरी है। परिषह 22 प्रकार के होते हैं। जिसको सामने से लेने जाएं, वह उपसर्ग है और जो बैठे-बैठे आए, वह परिषह है। परिषह में दूसरों का भला होता है, उपसर्ग में दूसरों का भला नहीं होता। परिषह दूसरों को लाभ पहुंचाते हैं। बार-बार परिषह सहन करने से सहनशक्ति का विकास हो जाता है। ज्ञानी कहते हैं जो परिषह सहन करता है, वह साधना के मार्ग पर आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा आदमी की यह खराबी होती है कि स्वयं कोई अच्छा काम करना भी नहीं और दूसरों को करने भी नहीं देना। हमें अपना कार्य उसमें डूबकर करते रहना चाहिए, दूसरों की ओर नहीं देखना चाहिए, सफलता अवश्य मिलेगी। हमें आध्यात्मिक गतिविधियों में अभिमान और स्पर्धा का विचार मन में नहीं लाना चाहिए। हमारे जीवन में सोच की बहुत अहम् भूमिका है, वह बहुत परेशान करती है। उन्होंने कहा कल्याणक की भावपूर्वक साधना करने से तीर्थंकर नाम कर्म बंध होता है। केवलज्ञान पाने के लिए अंतर्मुहूर्त जितना समय भी नहीं लगता। मुनिश्री यशस्वीप्रभ विजयजी ने कहा कि हमें जीवन में ये चार चीजें व्यर्थ भाषण, व्यर्थ चिंतन, व्यर्थ दर्शन और व्यर्थ भ्रमण नहीं करना चाहिए। अभयदान, सुपात्रदान, कीर्तिदान, उचितदान और अनुकंपादान में सबसे बड़ा दान सुपात्रदान को बताया गया है। दान, शील, तप, भाव धर्म में दानधर्म को श्रेष्ठ बताया गया है। कहते हैं मनुष्यभव पाना है तो दान करना चाहिए। शास्त्रों में हर जगह दान की विशेष भूमिका बताई गई है।

कर्मों से छुटकारे के लिए तपस्या जरूरी : साध्वी चैतन्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी महाराज ने उत्तराध्ययन सूत्र के 29वें अध्ययन में सम्यक्तव पराक्रम के बारे में बताया। इस अध्ययन को सुनकर हम भविष्य में सिद्ध गति को कैसे प्राप्त करे यह समझाया है गौतम स्वामी ने प्रभु से प्रश्न पूछे। संवेग यानी संसार से मुक्त होना, निर्वेग यानि विषयों के प्रति अनासक्त होना। धर्म श्रद्धा-शारीरिक मानसिक सभी दुखों से मुक्त हो सकता है। गुरु और साधर्मी की सेवा करते हैं तो पहले विनय आएगा तो आशातना नहीं होगी। मायाशल्य, मिथ्या शल्य, निदान शल्य इन तीनों को छोड़ना है हम खुद के साथ खुद की निंदा करेंगे और दूसरे के सामने खुद की निंदा करोगे तो वह सरल बन सकता है। वंदना करने से उच्च गोत्र और उच्च कुल में जन्म मिलेगा। नीच गोत्र का क्षय होगा। प्रणाम करने से सबके प्रीति पात्र बन सकता है। प्रत्याख्यान से हम नियम में आ जाते हैं। भगवान क्षमा से क्या लाभ है, क्षमा करने से जीव को प्रहलाद की प्राप्ति होती है। प्रहलाद यानि शांति, सौम्यता के भाव आते हैं। सांप नेवला आमने-सामने बैठे हैं पर प्रभु के मन में प्रहलाद भाव थे। स्वाध्याय की अनुप्रेक्षा से संसार की अटवी से पार हो जाता है। सेवा करते-करते तीर्थंकर नाम गोत्र का बंध हो सकता हैं। सेवा करने से अगर इतना बड़ा फल मिलता है तो क्यों ना करें। क्रोध पर विजय करें तो क्षमा, मान पर विजय प्राप्त करें तो मृदु, माया पर विजय प्राप्त करे तो सरलता, लोभ पर विजय प्राप्त करें तो संतोष मिलेगा, इन सब की प्राप्ति होगी।

उत्तराध्ययन में प्रभु बताते हैं तपमार्ग तप की राह पर कैसे चलें यह बात प्रभु इस अध्ययन में बताते हैं। प्रभु ने सिर्फ तप करना नहीं बताया बल्कि कैसे करना यही भी इस अध्ययन में बताई है। भगवान को तप ईक्षु रस के जैसा मीठा लगता है। प्रभु ने साढ़े 12 वर्ष तक की तपस्या की। आत्मा के अंदर अनादि काल से आने वाले कर्मों को रोक दो तपस्या करके। उन्हें कर्म को खपाने का तोड़ने का रोकने का प्रयत्न हम तपस्या से कर सकते हैं। प्रभु ने बारह प्रकार के तप बताए हैं। छह बाह्य और छह आभ्यंतर तप बताए हैं। प्रचार प्रसार समिति के संयोजक गौतमचंद गुगलिया ने बताया की रविवार को यहां पर व्याख्यान के पश्चात बही खातों का पूजन जैन विधि से किस प्रकार किया जाता है यहीं पर बताया और कराया जाएगा। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचंद पावेचा ने दी।

आदिनाथ ट्रस्ट द्वारा पालिताना में विकलांग शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय आदिनाथ जैन ट्रस्ट चूलै द्वारा संचालित एवं प्रवृत्तिनी शशिप्रभाश्रीजी म.सा. द्वारा प्रेरित आदिनाथ जैन हेल्थ केयर सेंटर पालीताना में हुआ दिव्यांग शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें लगभग 400 लोगों को जरूरत की वस्तुएं यहां के कलेक्टर युवराज सिद्धार्थ ने बांटी।

इस मौके पर अतिथि के रूप में पूर्व महापौर अजय सेठ, आश्रम के प्रमुख चेतन मेहता, जैन संघ के प्रशांत मनियार, बीएमवीएसएस के कृत्रिम पैर डॉ. तूफान सिंह उपस्थित थे। ट्रस्ट के मंत्री द्वारा ट्राइसाइकिल, व्हील चेयर, वॉकर, श्रवण यंत्र, कृत्रिम यंत्र, कैलिपर, चश्मे आदि वस्तुएं जरूरतमंदों को बांटी गई।

श्याम दीवाने का वार्षिकोत्सव व भजन संध्या 17 दिसंबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्याम दीवाने संस्था द्वारा इस वर्ष जेपी नगर स्थित सिंदूर कन्वेंशन सभागार में 17 दिसम्बर को 'श्री श्याम शरणम' नामक विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। इस 11 वें वार्षिकोत्सव व भजन संध्या के लिए श्याम दीवाने के चारों संस्थापक सदस्य नंदलाल सोनी, ओम राठी, देव कोठारी, गिरी बागड़ी श्याम दीवाने की पूरी टीम के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं। इस आयोजन में बाबा श्याम का भव्य दरबार कोलकाता के कारीगरों द्वारा सजाया जाएगा व बाबा के शीश का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। दोपहर 3 बजे से पूजन कर ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी तथा उसके बाद अमृतसर के गायक तेजी ब्रदर्स और राजस्थान नोखा के गायक दिनेश हिंदुस्तानी बाबा के भजनों की प्रस्तुति देंगे।

प्रभु की तेजस्वी वाणी का गान करता है उत्तराध्ययन सूत्र : आचार्य महेन्द्रसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि इतिहास गवाह है कि संसार में सबसे अच्छा निवेश सदुपदेश है, क्योंकि यही सबसे अच्छा मुनाफा देता है। इस दुनिया में हर कोई सुखी होना चाहता है और हर कोई आत्मकल्याण करना चाहता है।

व्यक्ति चाहता है कि अपनी जिंदगी में खुशहाली रहे और दुःख पीडा कभी न आए। इस बाबत में ज्ञान और जानकारी सर्वज्ञ तीर्थकर भगवान महावीर के सदुपदेश से भरे उत्तराध्ययन जैसे महान आगम सूत्र में हमें दी है । प्रभु वीर के उपदेश ही आत्मा को अज्ञान के अंधेरे से मुक्त करते हैं। आगम ग्रन्थ उत्तराध्ययन की गूंज होती है तो आत्मा में आत्मिक सुख शांति का प्रकाश होता है। यह उत्तराध्ययन ग्रंथ हमें आत्मउद्धार का चिंतन व मनन देता है। प्रभु महावीर की तेजस्वी देशना रूपी पवित्र वाणी का गान करने वाला श्री उत्तराध्ययन सूत्र एक जीवंत शास्त्र है।

सहयोग व सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

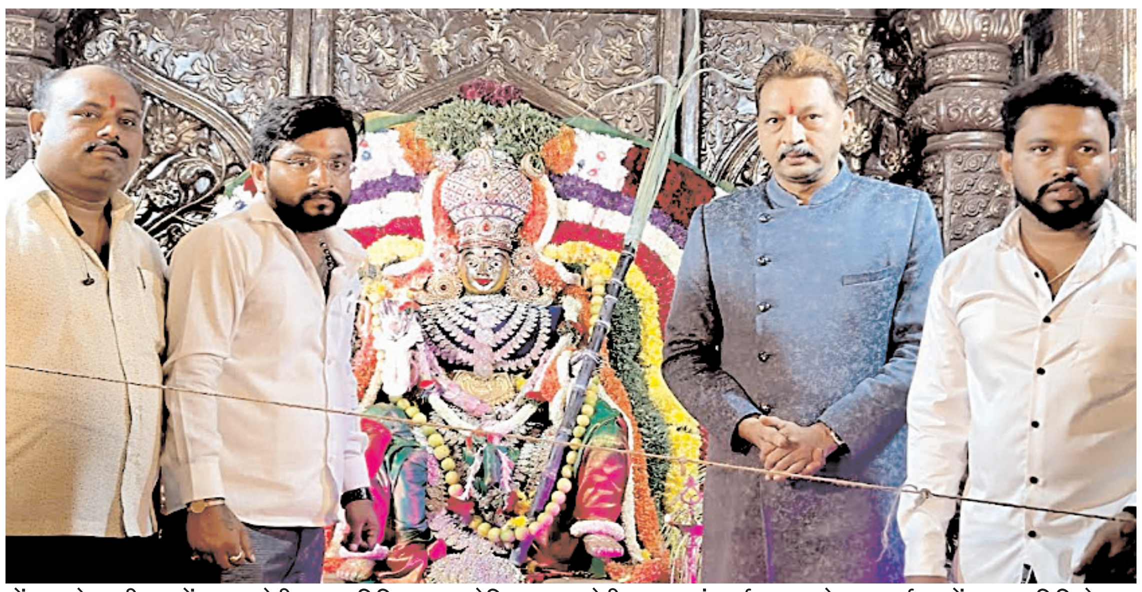

बेंगलूरु के हम्पीनगर में अणम्मादेवी पूजा समिति द्वारा आयोजित अणम्मादेवी उत्सव एवं कर्नाटक राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने ध्वजारोहण कर माता की विशेष पूजा की। पूजा के बाद मुणोत ने जरुरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

अन्नदान में सैंकड़ों लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर के तत्वावधान में दिव्या, आशिक़ अदिती,धारवी पिरगल परिवार के सौजन्य से सिटी मार्केट के पास रखा अन्नदान का आयोजन रखा गया जिसमें करीब 350 लोगों ने भोजन किया। इस मौके पर संघ की अध्यक्ष भारती तलेसरा, उपचेयरमैन मनोज बाफ़ना,उपाध्यक्ष नीलम ललवानी, कोषाध्यक्षसुरेश लखानी, महावीर बलदोटा आदि ने श्रम दिया।

मिठाई धमाका मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दीपावली के मौके पर खरीददारी व अपनों के लिए उपहार व मिठाई देना एक परम्परा बन गई है। शहर के वेलजी केटरिंग ने गांधीनगर स्थित बेंगलूरु वैष्णव समाज भवन में मिठाई मेला लगाया है। वेलजी महाराज ने बताया कि दीपावली के मौके पर मिठाई खरीदने में आसानी व सुविधा हो इसलिए उन्होंने वैष्णव भवन में बड़े स्थान पर मिठाई धमाका मेला लगाया है जिसमें सैंकड़ों प्रकार के मिठाइयों के साथ साथ नमकीन भी प्रदर्शित किया गया है ताकि खरीददार को पसंदीदा मिष्ठान चुनाव व खरीदने में आसानी हो। वेलजी ने बताया कि उन्हें अच्छा रेस्पांस मिल रहा है, ग्राहक आकर अपने पसंद के अनुसार दीपावली के लिए मिठाई की बुकिंग कर रहे हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.